संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 139
पृष्ठ 8
शनिवार
07 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सॉफ्ट टॉयज से बच्चों को हो सकता..

विचार- परीक्षा पे चर्चा, भविष्य के भारत...

खेल- आईसीसी की सजा से बचने के लिए...

प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों को दिया सफलता का मूल मंत्र

सलाह सबकी सुनें, पर भरोसा खुद पर रखें

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण के दौरान देश भर के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधा संवाद किया। इस बार पीएम का जोर केवल परीक्षा में अंक लाने पर नहीं, बल्कि श्मेक इन इंडियाश की भावना को अपनाने और जीवन के सर्वांगीण विकास पर रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मेक इन इंडिया और एक भारत श्रेष्ठ भारत पर जोर दिया, साथ ही छात्रों को अपनी पढ़ाई और हॉबीज के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने नई दिल्ली में अपने 7, लोक कल्याण मार्ग आवास पर परीक्षा पे चर्चा के नौवें एडिशन के दौरान छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों को सभी की सलाह सुननी चाहिए, लेकिन उन्हें हमेशा अपने तरीके से काम करना चाहिए और खुद पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भले ही वह प्रधानमंत्री बन गए हैं, फिर भी लोग उन्हें सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने काम करने के तरीके में कुछ बदलाव किए हैं, लेकिन अपना मूल तरीका नहीं छोड़ा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि परीक्षा का एकमात्र लक्ष्य सफलता हासिल करना नहीं होना चाहिए और ध्यान सर्वांगीण विकास पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, आपके माता–पिता, या शिक्षक, या दोस्त कुछ भी कहें, आप सभी सुझावों को ध्यान में रखते हुए अपने तरीके पर विश्वास रखें और उसका पालन करें। मैं बीते हुए कल को नहीं देखता, मैं हमेशा आने वाले कल को देखता हूं.कई बार शिक्षक सिर्फ वही पढ़ाते हैं जो महत्वपूर्ण होता है और जिससे आपको अच्छे नंबर मिल सकें, लेकिन एक अच्छा शिक्षक सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है और सब कुछ सिखाता है। छात्रों के साथ बातचीत के दौरान, पीएम मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को AI का इस्तेमाल करना चाहिए, लेकिन यह हमेशा उनके लक्ष्य हासिल करने में मदद नहीं करेगा। जब एक छात्र ने उन्हें बताया कि वह गेम डेवलपर बनना चाहता है, तो पीएम मोदी ने कहा कि गेमिंग एक स्किल है, लेकिन गेमिंग को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि गेमिंग एक स्किल है और इसका इस्तेमाल सतर्कता जांचने और आत्म–विकास के लिए किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने छात्रों को यह भी सलाह दी कि वे अपना समय बर्बाद न करें क्योंकि भारत में इंटरनेट सस्ता हो गया है, और बताया कि उनकी सरकार ने सट्टेबाजी के खिलाफ कानून बनाया है।उन्होंने कहा, आपको गेमिंग में दिलचस्पी है, लेकिन सिर्फ इसलिए समय बिताने के लिए इसमें शामिल न हों क्योंकि भारत में डेटा सस्ता है।

मुख्यमंत्री योगी का बयान-

यूपी में न दंगे, न कर्फ्यू

हरिद्वार, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हरिद्वार में सप्त सरोवर रोड स्थित भारत माता मंदिर के पास सप्तऋषि आश्रम मैदान में आयोजित संत सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि हाल के वर्षों में राज्य ने काफी सुधार किया है, अब राज्य में कोई दंगा या कर्फ्यू नहीं है, और यह भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई उपलब्धि बन रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। न कर्फ्यू है, न दंगे, उत्तर प्रदेश में अब सब कुछ ठीक है।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम न केवल देश के आध्यात्मिक केंद्र हैं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम केवल आध्यात्मिक केंद्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। राष्ट्र को शक्ति यहीं से मिलती है। हमने इन केंद्र बिंदुओं को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाया है। हमने इनकी विरासत का सम्मान और संरक्षण किया है। और इसका परिणाम यह है कि कभी एक कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति ला रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में अब न कर्फ्यू है, न दंगे, सब कुछ ठीक है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं ने केंद्रीय मंत्री एमएल खट्टर और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के साथ गुरुदेव समाधि मंदिर में मूर्ति स्थापना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यहां उपस्थित सभी संत, आध्यात्मिक नेता और भक्त सनातन चेतना के जीवंत प्रतीक हैं और गंगा के पवित्र तट पर स्थित पवित्र सप्तऋषि क्षेत्र में एकत्रित होकर राष्ट्र और संस्कृति में अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को दी कड़ी नसीहत

सिर्फ सवाल पूछने के लिए नहीं कर सकते गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। पुलिस की गिरफ्तारी की शक्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति को सिर्फ सवाल पूछने के लिए गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। गिरफ्तारी पुलिस अधिकारी का एक कानूनी अधिकार है, लेकिन इसे अनिवार्य नहीं कहा जा सकता। यह फैसला नए कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 के प्रावधानों के संबंध में आया है। जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस एन के सिंह की बेंच ने कहा कि पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी की शक्ति का इस्तेमाल बहुत सोच–समझकर करना चाहिए। गिरफ्तारी तभी की जानी चाहिए जब यह जांच के लिए बेहद जरूरी हो, न कि पुलिस अधिकारी की सुविधा के लिए। पुलिस को खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि क्या गिरफ्तारी के बिना जांच आगे नहीं बढ़ सकती। कोर्ट ने आगे कहा कि सात साल तक की सजा वाले अपराधों में यह नियम और भी सख्ती से लागू होता है। पुलिस अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि संबंधित व्यक्ति को हिरासत में लिए बिना जांच प्रभावी ढंग से आगे नहीं बढ़ सकती। इसके विपरीत कोई भी व्याख्या बीएनएसएस, 2023 की धारा 35(1)(बी) और धारा 35(3) से 35(6) के उद्देश्य को विफल कर देगी।

यह बेंच इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई कर रही थी। इसमें यह सवाल तय किया जाना था कि क्या सात साल तक की सजा वाले सभी मामलों में बीएनएसएस, 2023 की धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी करना अनिवार्य है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गिरफ्तारी की शक्ति का इस्तेमाल सामान्य प्रक्रिया के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। यह एक अपवाद है और पुलिस अधिकारी से उम्मीद की जाती है कि वे इस शक्ति का प्रयोग करते समय धीमे और सतर्क रहें।

ममता राज में मदरसों का बजट 12 गुना बढ़ा

भाजपा ने पूछा- डर कर दिया, या वोटों के लिए?

नई दिल्ली, एजेंसी। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में मदरसा शिक्षा के लिए 5713 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। टीएमसी के पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने के समय यह बजट करीब 472 करोड़ रुपये था जो अब लगभग 12 गुना बढ़ चुका है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि ममता बनर्जी सरकार चुनाव में अल्पसंख्यक वोटों के लिए मुस्लिमों का तुष्टिकरण कर रही है। पार्टी ने पूछा है कि ममता बनर्जी को बताना चाहिए कि मदरसों के बजट में इतना भारी वृद्धि किस कारण की गई है।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार मदरसा शिक्षकों के नाम पर मस्जिद में अजान देने वाले मुअज्जिनों का वेतन बढ़ाकर मुसलमानों का समर्थन हासिल करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यदि मुसलमान बच्चों की शिक्षा को बेहतर करने के लिए बजटीय प्रावधान किया गया होता तो इसका स्वागत किया जाता, लेकिन सरकार ने बच्चों की शिक्षा की बजाय केवल मुस्लिम समुदाय के तुष्टिकरण पर खर्च किया गया है। ममता बनर्जी को बताना चाहिए कि वह यह बजटीय वृद्धि किस कारण कर रही है। उन्होंने कहा कि वे बताएं कि वे मुसलमानों से डर कर यह बजट बढ़ा रही हैं या इसके पीछे सरकार की कोई और राजनीतिक चाल है।

त्रिवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य ने कुछ मदरसों की हरकतों पर गहरे सवाल खड़े किए थे। उन्होंने इन मदरसों के पाकिस्तान से संबंध होने के साथ–साथ कुछ मदरसों में गंभीर आपराधिक गतिविधियों के होने तक की बात कही थी। उन्होंने कहा कि, लेकिन ममता बनर्जी सरकार केवल मुसलमानों का वोट लेने के लिए राज्य की सुरक्षा को ताक पर रख रही है। इसके भविष्य में गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

दरअसल, पश्चिम बंगाल के करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता ममता बनर्जी को वोट देते आए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में मुसलमानों का ममता बनर्जी के प्रति यह झुकाव लगभग एक तरफा हो गया था जब वामदलों और कांग्रेस ने राज्य में एक रणनीति के अंतर्गत कमजोर खेलने का निर्णय कर लिया था। लेकिन इस बार ममता बनर्जी के ही सहयोगी रहे हुमायूं कबीर ने ममता बनर्जी के रातों की नींद उड़ा रखी है। वे राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं। इधर, एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी भी पश्चिम बंगाल में अपनी ताकत दिखाने के लिए बेचौन हैं। बिहार चुनाव में इस बार बेहतर सफलता हासिल करने के बाद उन्हें लगता है कि वे बिहार से सटे इलाकों में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी पार्टी को बड़ा आयाम दे सकते हैं। लेकिन यदि हुमायूं कबीर या असदुद्दीन ओवैसी को पश्चिम बंगाल में जितनी भी सफलता मिलती है, यह सीधे तौर पर ममता बनर्जी का ही नुकसान होगा। 2021 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की टीएमसी ने करीब 48 प्रतिशत वोट हासिल किए थे, जबकि भाजपा ने इस चुनाव में करीब 38 प्रतिशत वोट पाकर लोगों को चौंका दिया था। यदि हुमायूं कबीर और असदुद्दीन ओवैसी मिलकर ममता बनर्जी का 10 फीसदी भी वोट काटते हैं तो एसआईआर के कारण बदली हुई परिस्थितियों में सत्ता परिवर्तन हो सकता है। यही कारण है कि ममता बनर्जी इस समय बहुत आक्रामक हैं। वे लगातार एसआईआर के बहाने केंद्र और चुनाव आयोग पर हमला कर रही हैं। माना जा रहा है कि इन्हीं परिस्थितियों में ममता बनर्जी ने मुसलमानों के लिए खजाना खोलकर उन्हें अपने से बांधे रखना चाहती हैं। ममता बनर्जी सरकार ने अप्रैल–मई में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के ठीक पहले 5 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया है। सरकार ने 4.06 लाख करोड़ रुपये के बजट में लोकलुभावन योजनाओं पर भारी निवेश किया है।

फरवरी माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच दिल्ली इकाई की आदरणीया सरिता कपूर जी को दिया जाएगा

प्रयागराज । हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान फरवरी 2026 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी दिल्ली इकाई से आदरणीया सरिता कपूर जी को दिया जाएगा। रचनाकार सरिता कपूर जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

पंजाब में जंगलराज ? जालंधर में आप नेता लकी ओबेरॉय की दिनदहाड़े हत्या, गुरुद्वारे के बाहर बरसाईं 10 गोलियां

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के जालंधर से एक दहला देने वाली खबर सामने आई है। शहर के पॉश इलाके मॉडल टाउन स्थित एक गुरुद्वारे के बाहर शुक्रवार सुबह अज्ञात हमलावरों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता लकी ओबेरॉय (38) की अंधाधुंध गोलियां मारकर हत्या कर दी। इस दुस्साहसिक वारदात ने राज्य की कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जालंधर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने फोन पर बताया कि यह घटना सुबह हुई। उन्हें अचेतावस्था में एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि ओबेरॉय (38) अपने वाहन से गुरुद्वारा पहुंचे थे।

पुलिस के अनुसार, वह गुरुद्वारे में मत्था टेकने के बाद वहां से निकल रहे थे तभी दोपहिया वाहन पर सवार हमलावरों ने उनपर आठ से 10 गोलियां चलाईं।

सहायक पुलिस आयुक्त (जालंधर) परमिंदर सिंह ने बताया कि ओबेरॉय को जालंधर के एक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने वाहन पर कई गोलियां चलाईं और फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हमलावरों ने ओबेरॉय की गतिविधियों की रेकी की होगी। गोलीबारी की घटना में ओबेरॉय की गाड़ी और वहां खड़ी एक अन्य गाड़ी के शीशे टूट गए।

पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और हमलावरों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। ओबेरॉय को जिस निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां के एक चिकित्सक ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें सुबह करीब 8:10 बजे अस्पताल लाया गया था। चिकित्सक ने बताया, ''वह बेहोश थे और उनका रक्तचाप मापने लायक नहीं था। उनपर आठ से नौ गोलियां चलाई गई थीं, और एक गोली उसके सीने से होते हुए निकल गई।'' चिकित्सक ने बताया कि हरसंभव प्रयास के बावजूद ओबेरॉय को बचाया नहीं जा सका। इस बीच, विपक्षी पार्टियों ने भगवंत मान की अगुवाई वाली सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के शासन में राज्य में कानून व्यवस्था चरमरा गयी है। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जालंधर में एक गुरुद्वारे के बाहर आप की पंजाब इकाई के नेता लकी ओबेरॉय की दिनदहाड़े हत्या ने कड़वी सच्चाई को उजागर किया हैरू अगर सत्तारूढ़ पार्टी के नेता सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों के लिए क्या उम्मीद बची है?'' उन्होंने कहा, ''आज पंजाब डर, गिरोहों की हिंसा और प्रशासनिक निष्क्रियता से ग्रस्त है, जबकि 'आप' सरकार केवल जनसंपर्क (पीआर) और बहानों में व्यस्त है। मुख्यमंत्री भगवंत मान को जवाब देना चाहिएरू इस पूरी तरह चरमराई व्यवस्था का जिम्मेदार कौन है?'' शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया, ''आम आदमी पार्टी की 'शून्य डर' वाली सरकार के नेतृत्व में पंजाब खून से 'लथपथ' है।''

उन्होंने कहा, ''यहां तक कि आप नेता भी अपनी ही सरकार में सुरक्षित नहीं हैं। जालंधर में गुरुद्वारे के बाहर आज सुबह 'आप' की पंजाब इकाई के नेता लकी ओबेरॉय की दिनदहाड़े हत्या इस बात का उदाहरण है।'' बादल ने कहा, ''अकेले जनवरी 2026 में लगभग 25 हत्याएं हुईं। ये घटनाएं हर जगह हो रही हैं, चाहे वह अदालत परिसर हो, भीड़भाड़ वाला बाजार, शादी स्थल या गुरुद्वारा साहिब के बाहर।''

एक मामले में भी लागू हो सकता है गैंगस्टर एक्ट, अपराध का लंबा इतिहास होना जरूरी नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि एक मामले में भी गैंगस्टर एक्ट लागू किया जा सकता है। इसके लिए अपराध का लंबा इतिहास होना अनिवार्य नहीं है। गैंगस्टर एक्ट लागू करने के लिए रूल–22 के तहत सक्षम प्राधिकारी की संतुष्टि के बाद आदेश जारी किया जाना पर्याप्त है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि एक मामले में भी गैंगस्टर एक्ट लागू किया जा सकता है। इसके लिए अपराध का लंबा इतिहास होना अनिवार्य नहीं है। गैंगस्टर एक्ट लागू करने के लिए रूल–22 के तहत सक्षम प्राधिकारी की संतुष्टि के बाद आदेश जारी किया जाना पर्याप्त है। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकल पीठ ने गाजियाबाद निवासी ज्योति सिंह की याचिका पर दिया है।

याची ने गैंगस्टर के तहत दर्ज केस, चार्जशीट और संज्ञान आदेश रद्द करने की मांग की थी। उनका तर्क था कि गैंगचार्ट में केवल एक ही मामला दर्शाया गया है और उसमें भी जमानत मिल चुकी है। राज्य सरकार ने बताया कि गैंगचार्ट संयुक्त बैठक में तैयार कर 21 सितंबर 2024 को पुलिस कमिश्नर ने मंजूर किया था। आधार मामले की जांच 20 सितंबर को पूरी हो चुकी थी। कोर्ट ने माना कि नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ है। इसी के साथ याचिका खारिज कर दी।

सिल्वर कॉइन बेचने के नाम पर बुजुर्ग से 1.35 करोड़ रुपये की ठगी, फेसबुक के माध्यम से लगाया चूना

प्रयागराज। चांदी का सिक्का बेचने के नाम पर साइबर ठगों ने बुजुर्ग को एक करोड़ 35 लाख रुपये चूना लगा दिया। शातिरों ने खुद को कॉइन सेलर बताकर अमेरिका, लंदन समेत कई अन्य देशों में बेचने का झांसा दिया। चांदी का सिक्का बेचने के

नाम पर साइबर ठगों ने बुजुर्ग को एक करोड़ 35 लाख रुपये चूना लगा दिया। शातिरों ने खुद को कॉइन सेलर बताकर अमेरिका, लंदन समेत कई अन्य देशों में बेचने का झांसा दिया। बुजुर्ग उनके चंगुल में फंस गए। ठगी का अंदेशा होने पर उन्होंने परिजनों को इसकी जानकारी दी। उनकी दो बेटियां सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता हैं। घटना की जांच साइबर टीम कर रही है।

यूजीसी एक्ट के समर्थन में प्रतियोगी छात्रों ने किया प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट के सामने नारेबाजी

प्रयागराज। यूजीसी एक्ट को लागू करने की मांग को लेकर कई छात्र संगठनों ने जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया। इसमें बड़ी संख्या प्रतियोगी छात्र और इलाहाबाद विवि के छात्रों ने हिस्सा लिया। यूजीसी एक्ट को लागू करने की मांग को लेकर कई छात्र संगठनों ने जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया। इसमें बड़ी संख्या प्रतियोगी छात्र और इलाहाबाद विवि के छात्रों ने हिस्सा लिया। हाथ में नारे और स्लोगन लिखी तख्तियां और बाबा साहब अंबेडकर का चित्र लेकर सरकार से मांग की गई कि यूजीसी एक्ट को तत्काल लागू किया जाए ताकि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को उनका हक मिल सके।

संपत्ति पति के नाम, पत्नी वित्तीय योगदान का प्रमाण देने में विफल तो वह सह–स्वामी नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संपत्ति का पंजीकरण केवल पति के नाम पर है, पत्नी उसमें अपने वित्तीय योगदान का प्रमाण देने में विफल रहती है तो वह उसकी सह–स्वामी नहीं मानी जा सकती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संपत्ति का पंजीकरण केवल पति के नाम पर है, पत्नी उसमें अपने वित्तीय योगदान का प्रमाण देने में विफल रहती है तो वह उसकी सह–स्वामी नहीं मानी जा सकती। इसी टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने सोनू सिरोही की अपील खारिज कर दी। गौतमबुद्ध नगर के नोएडा स्थित एटीएस ग्रीन विलेज में पुष्पेंद्र सिंह सिरोही ने जून 2006 में नोएडा प्राधिकरण और बिल्डर के साथ त्रिपक्षीय समझौते के तहत फ्लैट खरीदा था। पत्नी सोनू सिरोही से विवाद होने पर उन्होंने उससे किराया वसूलने और रहने के लिए दिए गए लाइसेंस को नवंबर 2009 में रद्द कर दिया। फ्लैट खाली करने का नोटिस भी दे दिया। इसके बाद फ्लैट 95 लाख रुपये में पूनम अग्रवाल को बेच दिया। ट्रायल कोर्ट से राहत न मिलने पर पत्नी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। पत्नी की ओर से दलील दी गई कि फ्लैट 'स्त्रीधन' और गहनों को बेचकर पैसों से खरीदा गया था। इसलिए वह उसकी सह–स्वामी है। ऐसे में पति फ्लैट को बेच नहीं सकता। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पाया कि फ्लैट की लीज डीड और बैंक लोन के दस्तावेज केवल पति के नाम पर थे। दस्तावेज से फ्लैट में पत्नी का कोई वित्तीय योगदान साबित नहीं होता। कोर्ट ने माना कि मई 2011 से फ्लैट पर पत्नी का कब्जा पूरी तरह अवैध है। क्योंकि, फ्लैट का संभावित किराया 60,000 रुपये प्रतिमाह था। इसलिए कोर्ट ने आदेश दिया कि पत्नी मई 2011 से फ्लैट खाली करने की तिथि तक इसी दर से हर्जाना दे।

युवती की हत्या कर शव नहर के पास फेंका, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षे त्रके गोवर्धनपुर गांव में शारदा सहायक नहर पुलिया की पटरी पर युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मऊआइमा थाना क्षे त्रके गोवर्धनपुर गांव में शारदा सहायक नहर पुलिया की पटरी पर युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों की मदद से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। युवती की पहचान नहीं हो सकी है। दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जाहिर की जा रही है। सुबह नहर के पास से गुजर रहे ग्रामीणों ने युवती का शव देखा तो सन्न रह गए। कुछ देर में यहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। युवती के शरीर पर नीले रंग का जींस पैंट और हल्के गुलाबी रंग का टॉप है।

गजब: मोबाइल फोन पर गेम खेलते-खेलते छह साल का बच्चा बोलने लगा कोरियन भाषा

प्रयागराज। होलागढ़ निवासी एक छह वर्षीय बच्चा मोबाइल फोन पर कोरियन गेम, ड्रामा व कार्टून देखने में ऐसा डूबा कि देखते–देखते ही वह हिंदी भाषा छोड़ कोरियन बोलने लगा। इससे घबराए बच्चे के माता–पिता उसे लेकर मनोचिकित्सक के पास पहुंचे।

मोबाइल फोन पर तरह–तरह के ऑनलाइन–ऑफलाइन गेम में उलझे छोटे–बड़े बच्चे, अब घर–घर की बड़ी समस्या बन गए हैं। एकांत में मोबाइल फोन पर उनका घंटों चिपके रहना अभिभावकों के लिए चिंता का विषय तो है ही, बच्चों की सेहत व उनके दिल और दिमाग पर भी प्रतिकूल असर डाल रहा है। एक ऐसा ही प्रकरण कॉल्विन अस्पताल के मन कक्ष के चिकित्सकों के पास पहुंचा है।

होलागढ़ निवासी एक छह वर्षीय बच्चा मोबाइल फोन पर कोरियन गेम, ड्रामा व कार्टून देखने में ऐसा डूबा कि देखते–देखते ही वह हिंदी भाषा छोड़ कोरियन बोलने लगा। इससे घबराए बच्चे के माता–पिता उसे लेकर मनोचिकित्सक के पास पहुंचे। गूगल सर्च करने पर पता चला कि बच्चा जो भाषा बोल रहा है, वह कोरियन है।

शिक्षा विभाग में नौकरी करने वाले माता–पिता ने व्यस्तता के चलते अपने बेटे को होलागढ़ में दादा के पास देखभाल के लिए छोड़ा था। दादा बच्चे को खेलने व बहलाने के लिए जब–तब मोबाइल फोन थमा देते थे। कुछ समय बाद बच्चा कुछ अजीब सी भाषा बोलने लगा। कुछ हिंदी और कुछ

अटपटे शब्द सुन परिजन हैरान–परेशान हो गए। जब बच्चे की भाषा समझ में नहीं आई तो परिजन उसे लेकर कॉल्विन अस्पताल के मन कक्ष पहुंचे।

यहां गूगल सर्च से पता चला कि वह कोरियन भाषा का इस्तेमाल कर रहा है। उसका मोबाइल फोन चेक करने पर उसमें कोरियन गेम व कार्टून की भरमार मिली। चिकित्सकों ने पाया कि बच्चा वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार हो गया था। ऐसे में चिकित्सकों ने बच्चे को मोबाइल फोन देने से मना कर दिया। साथ ही माता–पिता को बच्चे से अधिक बात करने व उसके साथ समय गुजारने को कहा।

क्या है वर्चुअल ऑटिज्म

छोटे बच्चों में स्क्रीन (मोबाइल, टीवी, टैबलेट) के अत्यधिक उपयोग के कारण उत्पन्न लक्षण को वर्चुअल ऑटिज्म कहते हैं। यह वास्तविक ऑटिज्म से अलग है, क्योंकि यह प्रतिवर्ती है। स्क्रीन टाइम कम करा व बातचीत बढ़ाने से यह ठीक हो सकता है। इस समस्या से ग्रस्त बच्चा सामाजिक रूप से अलग–थलग, भाषा में पिछड़ा और ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो सकता है।

कैसे मोबाइल फोन से करें दूर

बच्चों के लिए मोबाइल फोन इस्तेमाल का एक निश्चित समय निर्धारित करें, जैसे खेलने के बाद या शाम को एक घंटे के लिए।

बच्चों को पार्क में खेलने, स्विमिंग या किसी रचनात्मक कार्य (पेंटिंग, पहेलियों आदि) में व्यस्त रखें।

बच्चे माता–पिता की नकल करते हैं। यदि अभिभावक उनके सामने मोबाइल फोन का उपयोग कम करेंगे, तो ने भी ऐसा ही करेंगे।

घर के कुछ हिस्सों जैसे बेडरूम या डाइनिंग टेबल पर फोन का इस्तेमाल न करें।

बच्चों के साथ खेलें, कहानियां सुनाएं और सभी एक साथ बैठकर खाना खाएं, जिससे उनका ध्यान मोबाइल से हटकर परिवार पर जाए।

बच्चों को समझाएं कि ज्यादा स्क्रीन टाइम उनकी आंखों और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

स्क्रीन पर अधिक समय देने की वजह से बच्चे अलग वर्चुअल दुनिया में जीने लगते हैं। ऐसे में वह अपनों से दूर हो जाते हैं। अगर कोई इसका विरोध या फिर रोक टोक लगाए, तो वह मरने व मारने को तैयार हो जाते हैं। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को तमाम प्रकार की गतिविधियों में अपने साथ व्यस्त रखें।– डॉ. अनुराग वर्मा, मनोरोग विशेषज्ञ, एसआरएन अस्पताल।

अधिक स्क्रीन टाइम की वजह से कई बच्चे देर से बोलना शुरू कर रहे हैं। बच्चों में सीखने की क्षमता अधिक होती है। ऐसे में माता–पिता को चाहिए कि वह बच्चों को अधिक समय दें और उनके सामने मोबाइल का कम इस्तेमाल करें।– डॉ. राकेश पासवान, मनोचिकित्सक परामर्शदाता, कॉल्विन हॉस्पिटल।

मोबाइल फोन पर अधिक समय देने के खराब नतीजे

– आंखों पर असर, कमजोरी के साथ रोशनी कम हो सकती है। शारीरिक गतिविधि कम होने से मोटापा, हृदय रोग और मांसपेशियों में समस्या का बढ़ना।
– बच्चों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, और आक्रामक प्रवृत्ति बढ़ जाती है। मोबाइल फोन न मिलने पर एंग्जाइटी या बेचौनी होना, लत लगने का संकेत है।
– मोबाइल फोन से निकलने वाली नीली रोशनी नींद के हार्मोन को प्रभावित करती है, जिससे नींद आने में दिक्कत और अनिद्रा की समस्या होती है।
– स्क्रीन पर अधिक समय देने के कारण बच्चों के बोलने और भाषा सीखने की क्षमता में देरी हो सकती है, साथ ही एकाग्रता में कमी आती है।
– वर्चुअल दुनिया में ज्यादा रहने से बच्चों के सामाजिक कौशल कमजोर होते हैं, जिससे वह परिवार और दोस्तों से दूर हो जाते हैं।
– पढ़ाई और होमवर्क से ध्यान भटकता है।

एफआईआर होने पर भड़के अधिवक्ता, आईजी कार्यालय के सामने धरने पर बैठे, आवागमन बाधित

प्रयागराज। प्रतापगढ़ के महेशगंज थाने में अधिवक्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के विरोध में साथी अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय का घेराव कर सड़क जाम कर दिया।

सिविल लाइंस में अधिवक्ताओं के साथ मारपीट करने वाले टायर कारोबारी को गिरफ्तार करने और प्रतापगढ़ के महेशगंज थाने में अधिवक्ताओं के खिलाफ केस दर्ज करने के विरोध में साथी अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय का घेराव कर सड़क जाम कर दिया। इससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। अधिवक्ताओं ने आईजी पर अधिवक्ताओं के साथ अभद्रता का आरोप लगाया। अधिववक्ता पुलिस प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाजी कर रहे हैं।

यह है पूरा मामला

महेशगंज थाने में तैनात दरोगा शिवा प्रजापति के अनुसार दो फरवरी की रात वह गश्त पर निकले थे। रात करीब 11.15 बजे हीरागंज बाजार स्थित

एक गेस्ट हाउस के करीब के द्वारपूजा के लिए जा रही बरात व महेशगंज थाना क्षेत्र के अन्नावा निवासी ट्रक चालक संजीव मौर्य के बीच मारपीट की सूचना मिली।

बरात में शामिल कुछ लोग खुद को अधिवक्ता बताने लगे। हंगामा बढ़ने पर चौराहे पर मौजूद पुलिसकर्मियों को बुलाया गया।

दरोगा की तहरीर पर प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के राजरूपपुर निवासी उमापति त्रिपाठी, झलवा के हिमांशू अग्रहरि, वीरेंद्र सिंह, राजा शुक्ला, अंशुमान, अवनीश शुक्ला व कालिंदीपुर निवासी ओसामा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई। रात में हिरासत में लिए गए लोगों के पक्ष में कई अधिवक्ता थाने पहुंचे। इस बीच थानाध्यक्ष राधेश्याम व अधिवक्ताओं के बीच तकरार हुई। सीओ सदर करिश्मा गुप्ता के आदेश पर घटनास्थल पर दरोगा से विवाद करने व ट्रक चालक से मारपीट करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी– राजा बचे न राजतंत्र, प्रबंधन का संचालक कौन होगा, यह तय करेगा कानून

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आजादी के बाद न तो राजा बचे हैं और न ही राजतंत्र। किसी शैक्षणिक संस्था के प्रबंधन से जुड़े विवादों का निपटारा केवल कानूनी साक्ष्यों के आधार पर होगा, न कि पारिवारिक समझौतों, परंपराओं या राजसी विरासत के सहारे। इस टिप्पणी के साथ मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति शैलेंद्र क्षितिज की खंडपीठ ने आगरा के प्रसिद्ध बलवंत एजुकेशनल सोसाइटी के प्रबंधन को लेकर एकल पीठ के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें अवागढ़ रियासत के दो चचेरे भाइयों के बीच उपाध्यक्ष के कार्यकाल को ढाई–ढाई साल के लिए बांटने को कहा गया था। कोर्ट ने मामले के निपटारे तक सोसाइटी की देखरेख का जिम्मा अध्यक्ष के रूप में आगरा के जिला जज को सौंपा है।

आगरा के राजा बलवंत सिंह कॉलेज और उससे जुड़े अन्य शिक्षण संस्थाओं के संचालन के लिए बनी सोसाइटी में अवागढ़ राजपरिवार में वर्चस्व को लेकर दो चचेरे भाइयों जितेंद्र पाल सिंह और अनिरुद्ध पाल सिंह के बीच दशकों से कानूनी जंग चल रही है। सोसाइटी के उपाध्यक्ष पद को लेकर दोनों अपनी विरासत और वरिष्ठता के आधार पर दावा कर रहे हैं।

एकल पीठ ने कहा था... जरूरी नहीं कि राजा का बड़ा बेटा ही बने राजा

इससे पहले मामला हाईकोर्ट की एकल पीठ में सुना गया था। कोर्ट ने उपाध्यक्ष के पांच वर्ष के कार्यकाल को दोनों भाइयों में ढाई–ढाई साल के लिए बांट दिया था। कहा था कि राजशाही का दौर खत्म हो चुका है। ऐसे में जरूरी नहीं कि राजा का बड़ा बेटा ही राजा हो। हालांकि, प्रबंध समिति व दोनों पक्षकारों ने इस फैसले के खिलाफ खंडपीठ में विशेष अपील दाखिल की थी।

पक्षकार समझौते के लिए तैयार नहीं तो अदालत फैसला नहीं थोप सकती

खंडपीठ ने कहा कि रिट क्षेत्राधिकार के तहत हाईकोर्ट सोसाइटी के मूल उपनियम से हटकर प्रबंधकीय संचालन के लिए खुद कोई नई व्यवस्था या योजना नहीं बना सकता। उत्तराधिकार और वसीयत जैसी तकनीकी विवादों का निपटारा केवल सिविल कोर्ट में सबूतों के आधार पर हो सकता है। यदि पक्षकार आपसी सहमति से विवाद नहीं सुलझा पा रहे तो अदालत जबरन उन पर कोई नया समझौता नहीं थोप सकती।

घूसखोर पंडित फिल्म के खिलाफ परशुराम सेना ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म श्घूसखोर पंडितश के विरोध में परशुराम सेना ने प्रदर्शन किया। मनोज बाजपेयी और नीरज पांडेय का पुतला दहन करते हुए नारेबाजी की। फिल्म के नाम को तत्काल बदलने की मांग की गई।

अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडित' के विरोध में परशुराम सेना ने प्रदर्शन किया। मनोज बाजपेयी और नीरज पांडेय का पुतला दहन करते हुए नारेबाजी की। फिल्म के नाम को तत्काल बदलने की मांग की गई। सेना के पदाधिकारियों ने कहा कि फिल्म के माध्यम से ब्राह्मणों को अपमानित करने का प्रयास किया जा रहा है, इसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फिल्म के टीजर के मुताबिक मनोज बाजपेयी फिल्म में सीनियर इंस्पेक्टर अजय दीक्षित का किरदार निभा रहे हैं। वह दिल्ली में पंडित नाम से मशहूर हैं। वह 20 साल पहले पुलिस फोर्स में सीनियर इंस्पेक्टर के तौर पर भर्ती हुए थे। अपने खराब रिकॉर्ड की वजह से वह उसी रैंक पर हैं। फिल्म में उनके नाम को लेकर विवाद हो रहा है।

दूसरे ग्रुप का ब्लड चढ़ाने से महिला की गई थी जान, कोर्ट ने कहा–याची और प्रतिवादी दोनों तय करें मुआवजा राशि

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल से जुड़े एक गंभीर चिकित्सा लापरवाही के मामले में सुनवाई की गई। अस्पताल प्रशासन ने दूसरे ग्रुप का ब्लड चढ़ाने से महिला की मौत की बात स्वीकार कर ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल से जुड़े एक गंभीर चिकित्सा लापरवाही के मामले में सुनवाई की गई। अस्पताल प्रशासन ने दूसरे ग्रुप का ब्लड चढ़ाने से महिला की मौत की बात स्वीकार कर ली। इस पर कोर्ट ने निर्देश दिया कि अपर महाधिवक्ता और याची अधिवक्ता आपसी सहमति से पीड़ित परिवार को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि तय करें। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में समिति गठित करने का आदेश भी दिया गया। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने दिया। याची सौरभ सिंह सोमवंशी की मां का इलाज न्यूरोलॉजी विभाग में चल रहा था। उनका आरोप है कि दूसरे ग्रुप का ब्लड चढ़ाने से मां की हालत गंभीर हो गई और अंततरू उनकी जान चली गई। इसे लेकर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उनके अधिवक्ता राणा सिंह के कोर्ट में दस्तावेज पेश करने के बाद अस्पताल प्रशासन की ओर से अपर महाधिवक्ता ने यह स्वीकार किया कि दूसरे ग्रुप का ब्लड चढ़ाने से मरीज की मौत हुई। इस पर कोर्ट ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य का यह सांविधानिक और प्रशासनिक दायित्व है कि अस्पताल में भर्ती मरीजों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। यह घटना उनकी जिम्मेदारी की विफलता को दर्शाती है। कोर्ट ने पूरी प्रक्रिया में चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक (डायरेक्टर जनरल ऑफ मेडिकल एजुकेशन) को छठे प्रतिवादी के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया। अनुच्छेद–21 का उल्लेख कर कोर्ट ने कहा कि जीवन का अधिकार सर्वोपरि है। अस्पताल प्रशासन को ऐसे पुख्ता इंतजाम करने होंगे, जिससे सुविधाओं की कमी या लापरवाही के कारण किसी भी मरीज की जान न जाए। मामले की अगली सुनवाई 23 मार्च को दोपहर दो बजे होगी।

नौकरी के नाम पर अधिवक्ता से सात लाख की ठगी, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के छतनाग उस्तापुर निवासी अधिवक्ता जितेन्द्र द्विवेदी ने मुकेश सक्सेना निवासी चौतन्यपुरी कॉलोनी, नई झूंसी, राजेन्द्र त्रिपाठी, राजकुमार त्रिपाठी निवासी बरौत तिवारीपुर, थाना हंडिया के खिलाफ नौकरी के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जितेंद्र द्विवेदी ने आरोप लगाया कि वह प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक पद की योग्यता रखते थे। तभी इनकी मुलाकात आरोपी मुकेश सक्सेना से हुई। आरोप है कि मुकेश सक्सेना ने प्राथमिक या फिर माध्यमिक विद्यालय में स्थायी रूप से नियुक्ति कराने के लिए उनसे कुल सात लाख रुपये ले लिए। रुपये 2014 में दिया गया था।

जबलपुर इकाई की काव्य गोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की फरवरी माह की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में सफलता पूर्वक संपन्न। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि डा. कामना कौस्तुभ विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा.राजलक्ष्मी शिवहरे अर्चना मलैया सारस्वत अतिथि भावना शुक्ला सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और

सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति कृष्णा राजपूत द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन अनीता दुबे एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं छाया सक्सेना। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। आरती शर्मा, गायत्री चौबे,मंजूषा किंजवडकर ,राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, जय श्रीकांत ,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला, कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन डॉ कुमकुम शुक्ला किया।

साइबर सुरक्षा पर संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज । राष्ट्रीय सेवा योजना ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज द्वारा आज दिनांक 6 फरवरी दिन शुक्रवार को महाविद्यालय के निर्मला देशपांडे सभागार में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तत्वावधान में एक संगोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम के समन्वयक एवं महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि आज का दौर सूचना प्रौद्योगिकी का दौर है सूचनाएं विविधतापूर्ण हैं और सूचनाओं के क्षेत्र में एक तरह से विस्फोट है, बहुत तेजी से बहुत तरह की सूचनाएं हम सब के पास उपलब्ध है। स्वाभाविक ही है कि जब सूचनाओं के आदान–प्रदान की सुविधा इतनी तेज विकसित हो जाएगी तो उसके सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलू भी आएंगे ।

ऐसे दौर में यह बात जाननी बहुत जरूरी है कि क्या सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में विशेषकर सोशल मीडिया से अपने आप को कैसे समायोजित करें, कैसे उनसे जुड़ें और सुरक्षा के क्या तरीके अपनाएं, मानसिक स्वास्थ्य का कैसे ध्यान रखें और अगर शिकार हो जाएं तो क्या करें। इस संदर्भ में आज की संगोष्ठी एवं परिचर्चा अति महत्वपूर्ण है। इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वतंत्र यादव उप निरीक्षक साइबर सेल प्रयागराज ने साइबर अपराध के लक्षण, शिकार समूहों एवं साइबर अपराध की प्रक्रियाओं की चर्चा करते हुए बताया कि साइबर क्राइम से बचाव का तरीका केवल और केवल जागरूकता है। इसके पश्चात साइबर सेल प्रयागराज से आए हुए दूसरे वक्ता श्री सूरज जी ने अपराध एवं साइबर अपराध विविध पहलुओं और विविध तरीकों का विस्तार पूर्वक और गंभीरता से चर्चा की तथा स्वयंसेवको एवं स्वयं सेविकाओं के द्वारा एक–एक पहलू पर अंतः क्रियात्मक सत्र के अंतर्गत बहुत सारी जिज्ञासाओं का बड़ी सरलता पूर्वक और तत्परता से समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर शैलेश कुमार यादव और डॉ रेफ़ाक़ अहमद ने धन्यवाद ज्ञापन किया इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ आलोक कुमार मिश्र, डॉ गायत्री सिंह, डॉ रुचि गुप्ता, डॉ कृष्णा सिंह एवं महाविद्यालय के सभी इकाइयों के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज की श्री विग्रह मूर्तिस्थापना समारोह में शामिल हुए सीएम योगी, कहा- संत समाज है भारत की आत्मा

लखनऊ, संवाददाता। स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज की श्री विग्रह मूर्ति के स्थापना समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश में भारत की विरासत को कोसा जाता था और रामभक्तों पर गोलियां चलाई जाती थीं। उन्होंने कहा कि उस दौर में अपमान रामभक्तों का नहीं, बल्कि भारत की सनातन विरासत और उसके आध्यात्मिक मूल्यों का होता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विरासत और आस्था के प्रति उपेक्षा का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश लूट और अराजकता का अड्डा बन गया था। उन्होंने कहा कि उस समय न बेटियां सुरक्षित थीं और न ही व्यापारी वर्ग सुरक्षित महसूस करता था। कानून–व्यवस्था की स्थिति चरमराई हुई थी, जिससे आम नागरिक भय के माहौल में जीने को मजबूर था। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। अब सनातन विरासत का सम्मान हो रहा है, आध्यात्मिक मूल्यों को संरक्षण मिल रहा है और सख्त कानून–व्यवस्था के चलते अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में बेटियां भी सुरक्षित हैं और व्यापारी भी निर्भय होकर अपने व्यापारिक कार्य कर रहे हैं।

सी एम पी महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा डा. राजेश्वर प्रसाद स्मृति व्याख्यान 2026 का सफल आयोजन

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय, प्रयागराज के वनस्पति विज्ञान विभाग दो द्वारा आज दिनांक 6 फरवरी 2026 को डॉ. राजेश्वर प्रसाद स्मृति व्याख्यान–2026 का सफल आयोजन महाविद्यालय के शैक्षणिक सभागार में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. राजेश्वर प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. अजय पी. खरे, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. सत्यनारायण , प्रोफेसर एच० के केहरी वनस्पति विज्ञान विभाग,प्रोफेसर संजय मिश्रा, ई सी सी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. शशि पाण्डेय राय (प्रोफेसर, सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन बॉटनी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी) रहीं। उन्होंने अपने व्याख्यान "फाइटोकेमिकल विविधता एवं पारिस्थितिक सहनशीलतारू सतत कृषि पारितंत्र में द्वितीयक उपापचयों की भूमिका" विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि पौधों के द्वितीयक उपापचय उत्पाद किस प्रकार जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन एवं सतत कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका व्याख्यान शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा।

प्रधानाचार्य प्रो. अजय पी. खरे ने अपने उद्बोधन में डॉ. राजेश्वर प्रसाद के योगदान को स्मरण करते हुए इस प्रकार के स्मृति व्याख्यानों को शैक्षणिक परंपरा के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि का परिचय वनस्पति विज्ञान विभाग की संयोजक प्रो. सरिता श्रीवास्तव द्वारा कराया गया। उन्होंने प्रो. शशि पाण्डेय राय के शैक्षणिक, शोध एवं अकादमिक योगदानों पर प्रकाश डालते हुए उनके वैज्ञानिक कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षता कर रहे प्रो. सत्यनारायण ने पूरे व्याख्यान कार्यक्रम का सार प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य वक्ता द्वारा व्यक्त विचारों को संक्षेप में रेखांकित करते हुए फाइटोकेमिकल विविधता एवं सतत कृषि पारितंत्र के महत्व को स्पष्ट किया। साथ ही उन्होंने इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों को विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी, स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सम्पूर्ण कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन डॉ. नेहा पाण्डेय द्वारा किया गया, जिनके सधे हुए मंच संचालन ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं गरिमामय बनाया।अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ अनीता सिंह द्वारा किया गया ।कार्यक्रम के दौरान आक्टाअध्यक्ष प्रोफेसर एस पी सिंह ,प्राक्टर प्रोफेसर संजय , मीना राय ,प्रोफेसर मंजू श्रीवास्तव, डॉक्टर आलोक कुमार सिंह, डॉक्टर विजय प्रताप सिंह डॉक्टर यशवंत , डा० कीर्ति राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

पिठापुरम में चेचक से बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पिठापुरम। उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (यूएआरडीटी), पिठापुरम के तत्वावधान में डॉ. बी. आर. अंबेडकर गुरुकुलम गर्ल्स स्कूल और जूनियर कॉलेज में चिकन पॉक्स और कंजंक्टिवाइटिस से बचाव के लिए होम्योपैथिक दवाओं का वितरण और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया किया।

आयोजकों ने बताया कि यह इस कार्यक्रम का आयोजन स्कूल के प्रिंसिपल के कहने पर स्टूडेंट्स में चिकन पॉक्स और कंजंक्टिवाइटिस को फैलने से रोकने के लिए किया गया था।

एमबीएम मल्टीस्पेशलिटी होम्योपैथी क्लिनिक की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पुल्ला उमा माहेश्वरी ने इस प्रोग्राम में हिस्सा लिया और बात की। उन्होंने कहा,

विद्यार्थियों को चिकन पॉक्स के लक्षण, बीमारी फैलने के कारणों और क्या सावधानियां बरतनी हैं, इन बातों कोआसान तरीके से समझाया गया। साथ ही, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना और गंदे हाथों से आंखों को न छूना

जैसे बचाव के तरीके बहुत ज़रूरी हैं।

इसी तरह, यह भी बताया गया कि होम्योपैथिक दवाएँ शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाती हैं और वायरस से असरदार तरीके से लड़ने में मदद करती हैं, और जब इम्यूनिटी मज़बूत होती है, तो बीमारियों से इंफेक्शन होने का चांस कम हो जाता है। स्टूडेंट्स को बताया गया कि होम्योपैथी से बीमारियों से बचाव मुमकिन है। इस प्रोग्राम में डॉ. बी. आर. अंबेडकर गुरुकुलम गर्ल्स स्कूल और जूनियर कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल डी. शशिकला, हेल्थ सुपरवाइज़र जी. चक्रम्मा, टीचर बी. लक्ष्मी, वी. माधवी, हरिका, स्टूडेंट्स और उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के मेंबर एस. साई कुमार ने हिस्सा लिया और प्रोग्राम को सफल बनाया।

17 फरवरी को 26वें महाकाल महोत्सव में महिला आयोग की लगेगी जनसुनवाई

महासचिव समाज शेखर ने महिला आयोग सदस्य प्रतिभा कुशवाहा से की मुलाकात

भयहरण नाथ धाम में मेला व मन्दिर समिति ने बैठक कर तय की अपनी जिम्मेदारी

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 17 फरवरी को 26 वें महाकाल महोत्सव में राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई लगेगी. लोकपाल मनरेगा व धाम के महासचिव समाज शेखर ने विकास भवन में राज्य महिला आयोग की माननीय सदस्य प्रतिभा कुशवाहा से मुलाकात की. वहीं भयहरण नाथ धाम में प्रशासनिक कार्यालय में मेला व मन्दिर समिति ने धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अपनी जिम्मेदारी तय की। राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा से महासचिव समाज शेखर ने महाकाल महोत्सव व धाम की गतिविधियों पर चर्चा की. तय हुआ कि 26 वें महाकाल महोत्सव के समापन अवसर पर 17 फरवरी को महिला आयोग की विशेष जन सुनवाई व चौपाल आयोजित होगी. महिलाओं की समस्याओं पर जन सुनवाई कर उनकी समस्या का समाधान हो सकेगा. वहीं भयहरण नाथ धाम के प्रशासानिक कार्यालय में मन्दिर व मेला समिति की बैठक करके कार्यकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी तय की. सभी ने तय किया कि सुव्यवस्था के साथ सभी गातिविधियों मे सहयोग व भागीदारी की जायेगी . पुलिस, प्रशासन व नगर पंचायत सहित सभी विभागों के कार्यो को मूर्त रूप दिया जायेगा। बैठक में प्रमुख रूप से संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, हीरा लाल, पुजारी भोला नाथ तिवारी, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, संगठन सचिव राज किशोर मिश्र, मेला समिति के संयोजक शत्रुघन सिंह, मँदिर समिति संयोजक मनीराम पटेल, कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज, शिव गोबिंद शर्मा, तेज प्रताप सिंह, श्याम मिश्र , आलोक सिंह, दुर्गेश सिंह, अवधेश मिश्र, महेंद्र सिंह, अंकित सिंह , अखिलेंद्र सिंह आदि ने अपनी भूमिका तय की।

जलशक्ति मंत्री को बंधक बनाने वाले भाजपा विधायक के खिलाफ नोटिस जारी, 7 दिन में मांगा गया जवाब

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को बंधक बनाने वाले भाजपा विधायक के खिलाफ नोटिस जारी किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विधायक बृजभूषण राजपूत से मामले पर सात दिन में जवाब मांगा है। बीती 30 जनवरी को मंत्री स्वतंत्र देव सिंह महोबा के एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। जहां से लौटने पर चरखारी विधायक बृजभूषण सिंह ने उन्हें रोककर बंधक बना लिया। इससे पार्टी नेतृत्व के सामने असहज करने वाली स्थिति उत्पन्न हो गई। अब पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने उनसे मामले पर सात दिन में जवाब मांगा है। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को रोकने के बाद भाजपा विधायक का एक और वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह कहते हुए सुने जा सकते थे कि अगर जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री को भी रोकेंगे।

ऋतुराज पधारे

(छप्पय)

रंग सुगन्ध उमंग लिए ऋतुराज पधारे।
देख इन्हें अति शीघ्र उदासी स्वर्ग सिधारे।
गीत वसन्त प्रसंग मनोरम दृश्य प्रकृति के।
कोयल की हर कूक बनी है गीत सुमति के।
मन्द मन्द हँसती धरा मीठी सुख़न बयार है।
अलंकार संगीतमय जीवन का झंकार है।।

भीनी–भीनी गन्ध हवाएँ चंचल चंचल।
कलियों की मुस्कान फ़िज़ा में हलचल हलचल।
भौरों के अनुरूप फ़सल पर चढ़ता यौवन।
प्यारी लगती धरा सुहाना लगता मौसम।
जिधर देखियेगा उधर केवल हरित प्रसंग है।
खुशहाली जिससे मिली रँग वासन्तिक रंग है।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मलिन बस्ती में स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम

प्रयागराज। आज सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई संख्या 27 द्वारा स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । लक्ष्य गीत के साथ क्रार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। राष्ट्र की सेवा और कर्त्तव्य के बारे प्राचार्य प्रो0 अजय प्रकाश खरे सर ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें देश के एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपने उत्तरदायित्वों का पालन करना चाहिए हम देश को तभी आगे ले जा सकते हैं जब सभी लोग अपने नैतिक उत्तरदायित्वों का पालन करें और अपने आप को राष्ट्र के प्रति समर्पित रखें ।

स्वच्छता के माध्यम से हम देश को बेहतर बना सकते हैं । तत्पश्चात उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण एवं राष्ट्र के प्रति अपने अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए ।उन्होंने स्वच्छता पोषण आदि विभिन्न बिन्दुओ पर अपनी बात रखी । कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राम चिरंजीव ने बच्चों को आशीर्वाद वचन कहते हुए राष्ट्र सेवा में सभी को आगे बढ़ने की बात कही ।तत्पश्चात स्वयं सेवको के द्वारा मलिन बस्ती माधवापुर में स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए वहां के नागरिकों से मिलकर गंदगी व उससे होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी दी द्य बच्चों के उत्साह को देखते हुए वहां के बड़े ही लोकप्रिय पार्षद श्री कृष्ण कुमार पाठक जी ने स्वयंसेवकों के कार्यो की कार्यों की प्रशंसा की और स्वयंसेवकों को धन्यवाद दिया और यह भी कहा कि जब कॉलेज के विद्यार्थी गांव वालों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे तो उसका प्रभाव सकारात्मक पड़ेगा स साथ ही साथ आपने यह भी बताया कि हम नगर निगम के माध्यम से नगर को साफ सुथरा बनाने का प्रयास कर रहे हैं आप लोग उसमें और गति ला दिए हैं । साथ ही साथ आपने यह भी कहा कि अगले बार कार्यक्रम हमारे घर से शुरू होगा और जलपान भी हम कराएंगे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राम चिरंजीव ने स्वयंसेवको के कार्यो की प्रशंसा की और धन्यवाद ज्ञापित किया, उसके बाद कार्यक्रम को जलपान के बाद समाप्त किया गया।

कानूनी पचड़े में फसीं घूसखोर पंडत, लखनऊ में डायरेक्टर समेत टीम पर एफआईआर दर्ज

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने फिल्म घूसखोर पंडत के निदेशक और उनकी टीम के खिलाफ एक जाति विशेष को अपमानित करने और वैमनस्यता फैलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हजरतगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विक्रम सिंह ने बृहस्पतिवार को खुद यह प्राथमिकी दर्ज कराई। विक्रम सिंह ने शुक्रवार को कहा कि यह फिल्म समाज में वैमनस्यता बढ़ाने और एक जाति विशेष को अपमानित करने का कारण बन रही है, इसलिए प्राथमिकी दर्ज करानी पड़ी। पुलिस के मुताबिक, फिल्म का नाम और इसकी कहानी एक खास जाति और समुदाय, खासकर ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से दिखाती है। इससे लोगों में नाराजगी फैल सकती है और कानून–व्यवस्था बिगड़ने का खतरा है। यह प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 (धर्म, जाति और भाषा के आधार पर वैमनस्यता को बढ़ावा देना), 299 (जानबूझकर द्वेषपूर्ण तरीके से किसी वर्ग की भावनाओं को आहत करना), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान), 353 (सार्वजनिक उपद्रव से संबंधित) और सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन अधिनियम की धारा 66 के तहत दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी घूसखोर पंडत फिल्म के निदेशक एवं उनकी टीम के खिलाफ दर्ज की गई है।

उत्तर मध्य रेलवे
दिनांक: 04.02.2026
ई-निविदा सूचना
अनुमानित लागत: रु. 31836849.61 | बिड सुरक्षा राशि: रु. 309200.00
कार्य अवधि: 12 महीना | बोली प्रणाली: एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 25.02.2026, 14:00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 25.02.2026, 15:00 बजे
www.ireps.gov.in
274/26 (ADM)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

एपस्टीन प्रकरण: पश्चिमी नैतिकता का टूटता भ्रम

हर सभ्यता अपनी कुछ छवियां बनाती और कहानियां गढ़ती है। इसमें वह स्वयं को और दूसरों को बताती है कि उसका मूल उद्देश्य क्या है और वह किन मूल्यों को प्राथमिकता देती है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पश्चिमी संस्कृति के द्योतक देशों ने स्वयं को मानवाधिकारों का संरक्षक, कानूनी शासन का आदर्श, लैंगिक समानता का अग्रदूत, आधुनिक नैतिकता का मानक और स्वतंत्रता–अधिकारों का पैरोकार घोषित किया। यह स्वघोषणा केवल शब्दों तक सीमित नहीं रही, इसे पूरी दुनिया पर थोपने की भी कोशिश की गई। आर्थिक दबाव, राजनीतिक हस्तक्षेप, सांस्कृतिक प्रभुत्व और आवश्यकता पडने पर सैन्य शक्ति–इन सबके माध्यम से पश्चिमी मूल्यों को विश्व पर लागू किया गया। इसमें गैर–पश्चिमी सभ्यताओं को 'पिछड़ा' या 'अप्रगतिशील' बताकर हाशिए पर रखा गया। परंतु जेफ्री एपस्टीन से संबंधित 'एपस्टीन फाइल्स', जिसकी नई खेप–35 लाख पन्ने, 2,000 वीडियो और डेढ़ लाख से अधिक तस्वीरें, अमरीकी न्याय विभाग ने गत 30 जनवरी को जारी की थी, उसने उस बनावटी नैतिक मुखौटे को चीरकर रख दिया, जिसे पश्चिमी दुनिया ने स्वयं की छवि के लिए तैयार किया था। जेफ्री एपस्टीन कोई गुमनाम और मामूली अपराधी नहीं था। वह एक संगठित शिकारी था, जिसे राजनीतिक, वित्तीय, शैक्षणिक और राजपरिवार समूहों का संरक्षण हासिल था। उस पर 2006 में नाबालिगों के यौन शोषण के आरोप लगे, पर 2008 में उसे असाधारण रूप से कानूनी राहत मिल गई। वर्ष 2019 में वह फिर संघीय यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार हुआ और न्यूयॉर्क की जेल में उसकी मौत को एकाएक 'आत्महत्या' घोषित कर दिया गया। इस पर आज सवाल उठते हैं। एपस्टीन दस्तावेज–उड़ान रिकॉर्ड, संपर्क सूचियां, गवाहियां, बयान और आंतरिक पत्राचार–उस गठजोड़ का विवरण देते हैं, जिसमें एपस्टीन राष्ट्रपति, धनाढ्यों, मीडिया, विश्वविद्यालय, राजघरानों आदि सबके बीच सहज रूप से उठता–बैठता था। यह स्पष्ट है कि दस्तावेजों में केवल नामों का उल्लेख अपराध की पुष्टि नहीं करता, किंतु इस लंपट के आसपास प्रभुत्व हस्तियों का घेरा, पश्चिमी नैतिकता के पतन की ओर इशारा अवश्य करता है। एपस्टीन का विमान, जिसका नाम 'लोलिता एक्सप्रेस' था, वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों को उसके निजी द्वीप और आवासों तक ले जाता था। यह घटनाक्रम उस सांस्कृतिक चिंतन का परिणाम है, जिसमें स्वतंत्रता को जिम्मेदारी से, इच्छाओं को संयम से और अधिकारों को कर्तव्यों से अलग कर दिया गया। जब मानव शरीर का बाजारीकरण, स्वतंत्रता–आधुनिकता के नाम पर वैध ठहराया जाने लगे और वह जीवन का हिस्सा बन जाए, तो वहां सशक्तिकरण का स्थान शोषण–क्रूरता ले लेती है।एपस्टीन फाइल्स' पश्चिमी आधुनिकता का अपवाद नहीं, बल्कि उसी नैतिक भौंडेपन का ताध्कक परिणाम है, जिसमें 40 प्रतिशत अमरीकी युवा अकेलेपन, अवसाद और मानसिक अस्वस्थता से जूझ रहे हैं, जिससे वाध्षक 400–600 सामूहिक गोलीबारी की घटनाओं का जन्म होता है। 1960 में केवल 13 प्रतिशत अमरीकी अकेले रहते थे, जो 2022 में बढ़कर 29 प्रतिशत हो गए। तलाक दर 40–80 प्रतिशत के बीच है, तो एक–तिहाई युवा अमरीकी अपने माता–पिता के साथ नहीं रहना चाहते। 2019 में अमरीकी सरकार ने बुजुर्गों की देखभाल पर 1.5 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए थे, जिसके 2029 तक दोगुना होने की संभावना है। यही नहीं, 'री–होमिंग' नामक भूमिगत आयोजनों से 'अनचाहे' बच्चों की परेड कराकर उन्हें नए अभिभावकों तक पहुंचाया जाता है। ये सामाजिक दरारें उसी तथाकथित 'पश्चिमी मॉडल' की हैं, जिसे कभी सार्वभौमिक आदर्श माना गया था। इतिहास भी पश्चिमी नैतिक दावों की असलियत दिखाता है। चर्च प्रेरित इंक्विजिशन में लाखों लोगों को जलाकर और असंख्य महिलाओं को चुड़ैल घोषित कर यातना देकर मार डाला गया था। अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड में मूल निवासियों की संस्कृति को ध्वस्त किया गया। भारत में दलित–जनजातियों और अमरीका में अश्वेतों की सांस्कृतिक पहचान छीन ली गई। चर्च प्रेरित संस्थानों में यौन अपराधियों की रक्षा का भी इतिहास रहा है। वर्ष 2004 की जॉन जे रिपोर्ट ने अमरीका में 4,392 पादरियों के यौन शोषण का खुलासा किया था। ऐसे ही अक्तूबर 2022 में फ्रांसीसी चर्चों में पादरियों द्वारा 3,30,000 बच्चों के यौन शोषण का भंडाफोड़ हुआ था। इस प्रकार के कई मामले हैं और इसी शृंखला की नई कड़ी 'एपस्टीन फाइल्स' हैं। दुर्भाग्य से औपनिवेशवाद का शिकार रहे भारत सहित कई देशों ने पश्चिमी ढांचे को आधुनिकता समझा। यह सुखद है कि भारत धीरे–धीरे अपनी कालजयी सनातन नैतिकता की ओर लौट रहा है। यहां 'धर्म' केवल पूजा–पद्धति नहीं, जिम्मेदारी का मार्ग है। सूर्य का 'धर्म' प्रकाश देना, जल का जीवन देना है। इसी प्रकार पिता, माता, शिक्षक और शासक का 'धर्म' उनके दायित्वों को निभाना है। 'एपस्टीन फाइल्स' केवल आपराधिक ताना–बाना नहीं, बल्कि एक सभ्यता की विफलता है। भारत को इससे सीखना चाहिए कि पश्चिम की त्रुटियों को न दोहराएं, बल्कि अपने कर्म, धर्म, संयम और नैतिक उत्तरदायित्व पर आधारित सभ्यतागत विरासत को मजबूत करें।

परीक्षा पे चर्चा, भविष्य के भारत के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना

धर्मेंद्र प्रधान

इस वर्ष 'परीक्षा पे चर्चा' का आयोजन भारत की शिक्षा यात्रा में एक शांत लेकिन निर्णायक बदलाव को रेखांकित करता है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शुरू हुई यह पहल, जो 2018 में एक एकल वाघ्यक संवाद के रूप में शुरू हुई थी, अब एक विश्वव्यापी सामूहिक प्रयास बन गई है, जिसमें विद्यार्थियों के संपूर्ण कल्याण को केंद्र में रखा गया है और माता–पिता व शिक्षक इस सांझी जिम्मेदारी के सक्रिय भागीदार हैं। इस वर्ष की भागीदारी का पैमाना इस पहल की गहराई को दर्शाता है। 4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' पिछले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ते हुए अब जन–संपर्क से आगे बढ़कर सामूहिक स्वामित्व की एक महत्वपूर्ण स्थिति में प्रवेश कर चुकी है। यह अभूतपूर्व भागीदारी एक सक्षम वातावरण तैयार करने के सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करती है, जहां प्रत्येक बच्चा सीख सके, विकसित हो सके और सही मायनों में फल–फूल सके। प्रधानमंत्री के प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन रू प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का शिक्षा, अध्ययन और परीक्षा से जुड़े तनाव जैसे विषयों पर विद्यार्थियों के साथ संवाद, सहानुभूति, व्यावहारिकता और प्रेरणादायक नेतृत्व का एक विशेष तालमेल पेश करता है। औपचारिक प्रोटोकॉल की जटिलताओं से परे जाकर विद्यार्थियों के साथ मार्गदर्शक, मैंटर और शुभचिंतक के रूप में जुडने की सहज क्षमता प्रधानमंत्री को विशेष बनाती है। यह व्यक्तिगत स्पर्श परीक्षा से जुड़े दबाव को कम करते हुए, एक भरोसेमंद और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है, जहां विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ सीखने और आगे बढने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता की पहचान रू इस प्रयास के केंद्र में एक सरल परंतु बहुत मजबूत सत्य मूल में है–हर बच्चा विशेष है। प्रत्येक बच्चा अलग ढंग से सीखता है, अपनी गति से आगे बढ़ता है और अपने भीतर ऐसी प्रतिभाएं समेटे होता है, जिन्हें केवल अंकों या रैंक तक सीमित नहीं रखा जा सकता। परीक्षाएं अपनी प्रकृति के अनुसार, बच्चे की क्षमता के एक सीमित पहलू को ही दर्शाती हैं। समग्र व्यक्तित्व के निर्माण के माध्यम से ही उसकी असल रचनात्मकता और उत्कृष्टता का विकास होता है। ये अंतर किसी भी तरह की कमी नहीं हैं, बल्कि यही एक विविध, सुदृढ़ और नवाचारी समाज की नींव हैं।

एन.ई.पी.–2020 के विजन का प्रतिबिम्ब रू यह दर्शन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.)–2020 के मूल में है। इसके ढांचे के तहत, शिक्षा प्रणालियों, पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन प्रणालियों को एक वास्तविक बाल–केंद्रित दृष्टिकोण के अनुसार पुनर्गठित किया जा रहा है, जहां शैक्षणिक अध्ययन के साथ–साथ रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शारीरिक तंदुरुस्ती और नैतिक मूल्यों के प्रचार पर विशेष जोर दिया गया है। मूल्यांकन संबंधी सुधार भी इसी उद्देश्य को रेखांकित करते हैं। पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं अब साल में 2 बार आयोजित की जाएंगी, जिससे विद्याध्थियों को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए अधिक लचीलापन मिलेगा और उच्च–दबाव वाली एकल परीक्षा से जुड़ा तनाव कम होगा। 360 डिग्री समग्र प्रगति कार्ड लागू किए गए हैं, जो न केवल बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हैं, बल्कि उसके सामाजिक–भावनात्मक और शारीरिक विकास को भी संपूर्ण ढंग से दर्ज करते हैं। प्रत्येक सी.बी.एस.ई. स्कूल में काउंसिलर्स की नियुक्ति अनिवार्य की गई है, जो विद्यार्थियों को शिक्षा संबंधी और भावनात्मक तनाव के प्रबंधन में निरंतर सहयोग प्रदान करेंगे। आज की शिक्षा सिर्फ पाठ्यपुस्तकों, परीक्षाओं और रटने तक सीमित नहीं रह गई। समग्र शिक्षा (होलिस्टिक लघ्नग) पर स्पष्ट रूप से ध्यान दिया जा रहा है। यह भली–भांति समझा जा चुका है कि केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता विद्याध्थयों को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार नहीं करती। चिंता, डर या भावनात्मक तनाव के बोझ तले बच्चे सार्थक रूप से नहीं सीख सकते। भारत की सभ्यतागत परंपराएं इस स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण जागरूकता या माइंडफुलनैस, प्राणायाम और योग जैसे स्थायी साधन प्रदान करती हैं। फिर भी, हमें आज की एक विशेष आधुनिक चुनौती–अत्यधिक डिजिटल उपयोग और स्क्रीन टाइम का सामना करना है। लंबे समय तक लगातार डिजिटल उपकरणों के संपर्क में रहने से एकाग्रता की क्षमता कम होती है, नींद में बाधा आती है और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। निरंतर कनैक्टिविटी, ऑनलाइन तुलना और डिजिटल ओवर–स्टिम्यूलेशन का दबाव अक्सर परीक्षा के तनाव को बढ़ा देता है और उस माइंडफुलनैस को कमजोर कर देता है, जिसे हम बच्चों में विकसित करना चाहते हैं। यहीं पर माता–पिता और शिक्षक मिलकर भूमिका निभा सकते हैं। उपकरणों के उपयोग के लिए सुरक्षित सीमाएं तय करके, साथ ही शारीरिक गतिविधियों, रचनात्मक प्रयासों और पारिवारिक संवाद जैसे विकल्पों के प्रति प्रोत्साहित करके हम पुनरू संतुलन स्थापित कर सकते हैं।

आज के बच्चे विकसित भारत 2047 के अग्रदूत हैं। जो बच्चे आत्मविश्वास के साथ नवाचार करते हैं और अपनी सांस्कृतिक जड़ों में स्थिर रहते हुए दुनिया से जुड़ते हैं, वही वर्तमान में विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे बच्चों का समर्थन एक ऐसी शिक्षा प्रणाली के माध्यम से किया जाना चाहिए, जो मस्तिष्क, हृदय और हाथ–तीनों के विकास पर केंद्रित हो–एक ऐसी प्रणाली, जो प्रतिभा का उत्सव मनाती हो, उद्देश्य को पोषित करे और उन्हें सार्थक जीवन के लिए तैयार करे। यही है 'परीक्षा पे चर्चा' की भावना–बच्चों को डर से मुक्त करना और उन्हें भारत ञ्च2047 के लिए आत्मविश्वास से भरपूर नागरिक के रूप में तैयार करना।

ममता बनर्जी का आसमान में सुराख करने का इरादा

न्यायालय में उपस्थित हुईं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में हो रही गड़बड़ियों के खिलाफ अपनी दलीलें पेश कीं। देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने वकील की भूमिका भी निभाई है। सबसे खास बात यह कि ममता बनर्जी अपना या अपनी पार्टी का पक्ष रखने शीर्ष अदालत में प्रस्तुत नहीं हुईं बल्कि उन लाखों कमजोर लोगों का पक्ष रखने के लिए सामने आईं, जो एसआईआर से पीड़ित हैं, जिनके मताधिकार पर सरकारी कार्रवाई का चाबुक चला है। संक्षेप में कहें तो ममता बनर्जी लोकतंत्र को बचाने के लिए मुख्यमंत्री होते हुए भी वकील की भूमिका में आईं। अदालत में अपनी दलीलों को पेश करने के बाद आखिरी में माननीय न्यायाधीशों से उन्होंने यही कहा कि लोकतंत्र बचा लीजिए। गौरतलब है कि एसआईआर को लेकर देश भर में गरीब और कमजोर लोग चिंतित हैं कि उनका नाम कहीं मतदाता सूची से कट न जाए। पांच साल में एक दिन उन्हें मिलता है जब उन्हें उसी कतार में खड़े होने का मौका मिलता है, जिस कतार में समाज का धनाढ्य और प्रभावशाली तबका भी लगता है। वोट देने का अधिकार अमीर और गरीब हरेक के पास एक जैसा है। लेकिन एसआईआर के कारण इस अधिकार पर बड़ी चोट पड़ चुकी है। भाजपा और चुनाव आयोग जिसे धार्मिक शब्दावली की तरह मतदाता सूची का शुद्धिकरण कहते हैं, वह असल में अन्याय और असमानता को बढ़ावा देने वाला है। पिछले साल जून में सबसे पहले बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया शुरु हुई थी, जिसका व्यापक और तार्किक विरोध विपक्ष ने किया था। बिहार में इस पर महागठबंधन ने वोटर बचाओ यात्रा भी निकाली थी, जिसे बड़े पैमाने पर समर्थन मिला था। इस मामले में अदालत में याचिकाएं दाखिल हुईं। कायदे से ऐसे में एसआईआर को रोक कर फैसले का इंतजार किया जाना चाहिए था। लेकिन बिहार में यह पूरी भी हुई और करोड़ों नाम वोटर लिस्ट से कटे, उसके बाद चुनाव हुए और नतीजा सबके सामने है। जिन घुसपैठियों के नाम पर एसआईआर को तत्काल कराने की जरूरत बताई गई, उस पर अब सत्ता पक्ष या चुनाव आयोग कुछ नहीं कहता कि कितने विदेशी नागरिक बिहार में वोटर लिस्ट में थे। अब घुसपैठियों का यही लचर तर्क प.बंगाल में दिया जा रहा है। यहां तो अर्मत्य सेन जैसे प्रतिष्ठित नागरिक तक को चुनाव आयोग ने नोटिस भेज दिया, तो आम गरीब आदमी की बिसात ही क्या है। इसलिए ममता बनर्जी को बुधवार को अदालत में कहना पड़ा कि न्याय बंद दरवाजे के पीछे रो रहा है। बता दें कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष ममता बनर्जी अपने वकीलों के साथ कोर्ट रूम नंबर एक में मौजूद रहीं। मंगलवार को मुख्यमंत्री बनर्जी के नाम पर एक गेट पास जारी किया गया था। मोस्तारी बानू और टीएमसी सांसदों डेरेक ओ श्ब्रायन और डोला सेन की दायर याचिकाओं पर सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और बेंच ने सुनवाई की। जिनमें ममता बनर्जी ने अपनी दलील पेश की। सुश्री बनर्जी ने अपनी बात रखने की इजाजत मांगी। उन्होंने कहा, श्सर, मुझे सिर्फ 5 मिनट दें।श सीजेआई ने कहा कि 15 मिनट लीजिए। फिर ममता बनर्जी ने भावुक होकर कहा, श्न्याय बंद कमरों के पीछे रो रहा है। हम कहीं से न्याय नहीं पा रहे। मैंने चुनाव आयोग को 6 बार पत्र लिखा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।श ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बंगाल को निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा, श्यह चुनाव आयोग नहीं, व्हाट्सएप कमीशन है। एसआईआर को सिर्फ नाम हटाने का हथियार बनाया जा रहा है, न कि सही जांच का। उन्होंने 24 वर्षों के बाद लागू की गई इस तात्कालिकता पर भी चिंता जताई, जिसे फसल कटाई के मौसम और प्रवासन के चरम समय के दौरान तीन महीनों में जल्दबाजी में पूरा किया गया था, और इसके मानवीय नुकसान को भी दर्ज किया, जिनमें 100 से अधिक मौतें, बीएलओ सदस्यों की मौतें और बड़े पैमाने पर अस्पताल में भर्ती होना शामिल है। ममता ने बताया कि एसआईआर के पहले चरण में ही लगभग 58 लाख नामों को मृत घोषित कर दिया गया।कई महिलाओं के नाम हटाए गए, जिससे यह प्रक्रिया महिला विरोधी लग रही है। उन्होंने कहा कि शादी के बाद महिलाओं का सरनेम बदलने या ससुराल जाने पर इसे मिसमैच बताकर नाम काट दिए जा रहे हैं। काम की तलाश में दूसरे जगह जाने वालों को भी इसी तरह परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के नाम बिना उचित प्रक्रिया के हटाए जा रहे हैं, जिन्हें बाद में श्तार्किक विसंगतिय या श्गलत मानचित्रणय जैसे अस्पष्ट बहाने देकर उचित ठहराया जाता है, जो न्यायालय के निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है।

उन्होंने आधार को वैध प्रमाण के रूप में स्वीकार करने के न्यायालय के आदेश का स्वागत करते हुए, प्रश्न उठाया कि केवल बंगाल को ही निवास प्रमाण पत्र या जाति प्रमाण पत्र जैसे अन्यत्र स्वीकार किए जाने वाले दस्तावेजों से वंचित क्यों किया जा रहा है।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

ममता करुणा हिय भरा , आँखों में है प्यार।
नारी से परिवार है, नारी से संसार।।
नारी से संसार, बहन माँ बेटी होती।
रखती रूप हजार, कीमती जैसे मोती।।
कहती रचना आज, देख लो उसकी क्षमता।
आज नहीं कमजोर, हृदय में जिसके ममता।।

नारी से परिवार है, नारी से संसार।
अबला से सबला बनी, जो जग का आधार।।
जो जग का आधार, रीढ़ वह होती घर की।
बच्चों में संस्कार,शक्ति वह होती नर की।।
कहती रचना आज, कहाँ कब वह है हारी।
खड़ी पुरुष के साथ, जगत में अब तो नारी।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

भारत परिवार है: भविष्य अत्यंत उज्ज्वल

रॉन डर्मर

जब मैं 2013 में अमरीका में इसराईल का राजदूत बना, तो मेरी पत्नी और मैं 5 बच्चों के साथ वाशिंगटन डी.सी. पहुंचे, जिनकी आयु 10 वर्ष से कम थी, जिनमें एक 2 वर्ष का लड़का और 4 महीने की एक बच्ची भी शामिल थी। हम एक ऑ पेयर (देखभाल सहायक) नियुक्त करने की आशा कर रहे थे, ताकि मेरी पत्नी राजदूत की पत्नी होने से जुड़ी जिम्मेदारियां निभा सकें, जिनमें हमारे आधिकारिक निवास पर कार्यक्रमों की मेजबानी करना, वाशिंगटन डी.सी. में विभिन्न समारोहों में भाग लेना तथा राजधानी से बाहर की यात्राओं में मेरे साथ जाना शामिल था।

हमारे दूतावास में मेरे एक सहकर्मी ने मुझे बताया कि उसके भारतीय ऑ पेयर की बहन, हेलेन नाम की एक महिला, भी अमरीका आकर काम करने में रुचि रखती है। हालांकि मेरी पत्नी किसी अनजान व्यक्ति को अपने घर में लाने को लेकर ड्क्षचतित थीं, फिर भी हमने हेलेन पर भरोसा करने का निर्णय लिया। हेलेन हमारे लिए सचमुच किसी वरदान से कम नहीं साबित हुई–वह एक बुद्धिमान, दयालु और भरोसेमंद महिला थीं, जिन्होंने हमारे बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार किया मानो वे उनके अपने हों। हेलेन ने हमारे परिवार की सबसे कठोर आलोचक, मेरी मां का भी सम्मान और विश्वास अर्जित कर लिया। लेकिन समय के साथ, हेलेन के लिए अपने पति विनय और अपनी बेटी रोशनी से दूर रहना और अधिक कठिन होता गया। रोशनी केवल 12 वर्ष की थी, जब हेलेन भारत छोड़कर अमरीका आई थीं, ताकि अपनी बेटी के लिए एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर सकें। जब 2021 में वाशिंगटन में मेरा 7 वर्षों से अधिक का कार्यकाल समाप्त हुआ, तो हमने हेलेन से पूछा कि क्या वह इसराईल लौटकर मेरी मां की देखभाल में हमारी सहायता करने को तैयार होंगी, जिन्हें स्ट्रोक आया था? हेलेन ने एक बार फिर सहमति दी और इस तरह फिर से अपने परिवार से दूर हो गईं। हमारे बच्चों की 7 वर्षों तक देखभाल करने के बाद, हेलेन ने अगले 4 वर्षों तक मेरी मां की सेवा की, जिनका पिछले वर्ष मई में निधन हो गया। मैं हमेशा इस बात के लिए कृतज्ञ रहूंगा कि हेलेन ने मेरी मां के अंतिम वर्षों में उन्हें कितनी गरिमा और सम्मान के साथ संभाला। इसलिए जब हेलेन ने हमें रोशनी की शादी के लिए भारत आमंत्रित किया, तो हमारे मन में कोई संदेह नहीं था कि हम अवश्य वहां जाकर उनके साथ इस उत्सव में शामिल होंगे। इसी प्रकार मैं, मेरी पत्नी और हमारे 3 बच्चे कर्नाटक के अम्टाडी गांव में पहुंचे–इस अद्भुत देश की अपनी पहली यात्रा पर। उस 10 दिनों की यात्रा में अनेक अविस्मरणीय अनुभव शामिल थे–ताजमहल की अतुलनीय भव्यता, कूर्ग के हरे–भरे कॉफी बागान, राजस्थान में बाघ सफारी, मंगलुरु की मंत्रमुग्ध कर देने वाली जयलक्ष्मी साड़ी की दुकान और हर जगह मिले अद्भुत तथा आत्मीय लोग। मुझे वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से मिलने का भी अवसर मिला, जिनमें आपके अनुभवी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और आपके अथक विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर शामिल थे। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भारत और इसराईल के बीच रणनीतिक सांझेदारी अभूतपूर्व रूप से विस्तारित होगी। लेकिन भारत की मेरी पहली यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण अम्टाडी में बिताया गया समय था, जिसकी शुरुआत गुरुवार रात रोसे समारोह से हुई और अगले रविवार विवाह समारोह के साथ समाप्त हुई। हमने इतने सारे अलग–अलग अनुष्ठान देखे कि सबका हिसाब रखना कठिन था, पर एक बात हर अनुष्ठान में स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई–परिवार की केंद्रीय भूमिका। जब सैंकड़ों लोग रोशनी पर नारियल का दूध डालते हुए अपना आशीर्वाद दे रहे थे, तब मुझे महसूस हुआ कि यह केवल 2 व्यक्तियों का विवाह नहीं, बल्कि 2 परिवारों और 2 समुदायों का मिलन था। मुझे पता है कि भारत कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। उसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करनी है। उसे विकास की गति के साथ तालमेल रखने के लिए आधारभूत ढांचे का विस्तार करना है। उसे यह सुनिश्चित करना है कि एक शिक्षित, मेहनती और उद्यमशील कार्यबल को ऐसे अच्छे अवसर मिलें, जिससे उसकी प्रतिभाशाली मानव पूंजी देश की सीमाओं के भीतर ही बनी रहे। उसे प्रदूषण कम करना है, गरीबी दूर करनी है और उन असंख्य समस्याओं से निपटना है, जिनका सामना एक तीव्र गति से विकसित हो रहा राष्ट्र करता है। फिर भी मैं भारत का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल देखता हूं, और इसका कारण वही है जो मैंने रोशनी की शादी में देखा। परिवार, जो हर मजबूत समाज की मूल इकाई है, दुनिया के कई हिस्सों में दबाव में है। लेकिन भारत में परिवार अब भी मजबूत है। परिवार ही वह कारण है जिसने हेलेन जैसी महिला को वर्षों तक विदेश में काम करने के लिए प्रेरित किया, ताकि वह अपनी बेटी को बेहतर भविष्य दे सके। परिवार ही वह आधार है, जिसने हेलेन के भाई–बहनों और रिश्तेदारों को आगे बढ़कर रोशनी की परवरिश में सहायता करने के लिए प्रेरित किया, जब उसकी मां दूर थी। यही वह शक्ति है जो अटूट संबंधों और शाश्वत मूल्यों को जन्म देती है, जो सुदृढ़ समुदायों और सफल राष्ट्रों का निर्माण करती है। कई लोग इस बात पर बहस करते हैं कि 21वीं सदी अमरीकी सदी होगी या चीनी सदी। आने वाले दशकों में यदि भारत इन दोनों की छाया से उभरकर सामने आए, तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यदि ऐसा होता है, तो यह अम्टाडी जैसे स्थानों और हेलेन जैसे लोगों के कारण होगा। यह इसलिए होगा क्योंकि परिवार में निहित एक प्राचीन सभ्यता, जो भविष्य को अपनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है, ऐसा राष्ट्र है जिसके लिए संभावनाओं की कोई सीमा नहीं है।

दिशा पाटनी संग डेटिंग की खबरों पर सिंगर तलविंदर ने तोड़ी चुप्पी, कहा-मैं अभी प्यार में पड़ रहा हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी इन दिनों अपने काम से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ दिनों से उनका नाम पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के चर्चित सिंगर तलविंदर के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके डेटिंग की अटकलें तेज हो गईं। वहीं, अब इन खबरों पर तलविंदर ने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान तलविंदर ने दिशा पाटनी के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं पर चुप्पी तोड़ी। सिंगर ने बताया कि उनकी और दिशा की मुलाकात हाल ही में हुई है। उनकी जान-पहचान नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की शादी से ठीक पहले शुरू हुई थी। ये एक सामान्य दोस्ती के रूप में शुरू हुई थी। डेटिंग की खबरों पर सिंगर ने कहा कि हम अभी भी एक-दूसरे को समझने की कोशिश कर रहे हैं। मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा क्योंकि अगर लोग अफवाहें फैलाने की कोशिश करेंगे, तो मैं उन्हें अफवाहें ही रहने दूंगा। जब तलविंदर से प्यार और फीलिंग्स को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने दिलचस्प जवाब दिया। सिंगर ने कहा, "मैं हर दिन प्यार में पड़ जाता हूं। मैं अभी प्यार में पड़ रहा हूं।" हालांकि उन्होंने इस दौरान दिशा पाटनी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया, लेकिन बयान के समय और संदर्भ ने दोनों के बीच रिश्ते की अटकलों को और हवा दे दी है। वहीं, दिशा पाटनी की तरफ से अब तक इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। दिशा पाटनी और तलविंदर को हाल ही में नूपुर सेनन की शादी और मुंबई में हुए रिसेप्शन के दौरान एक साथ देखा गया था। दोनों की नजदीकियों को देखकर ही अफेयर की चर्चाएं शुरू हुईं। इस दौरान तलविंदर कैमरों से बचते नजर आए और कई बार अपना चेहरा छिपाते दिखे। रिसेप्शन में दिशा की करीबी दोस्त मौनी रॉय को भी तलविंदर को कैमरे से बचाते हुए देखा गया, जिसने चर्चाओं को और तेज कर दिया। तलविंदर का पूरा नाम तलविंदर सिंह सिद्धू है। वह अपनी पहचान को लेकर काफी प्राइवेट रहते हैं।

> “
> पब्लिक अपीयरेंस और लाइव परफॉर्मेंस के दौरान वह अक्सर मास्क पहनकर नजर आते हैं। यहां तक कि बिना मास्क होने पर भी वह कैमरे से दूरी बनाए रखते हैं। हालांकि हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें बिना मास्क के भी सामने आई थीं, जिसने फैंस के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी।

पब्लिक अपीयरेंस और लाइव परफॉर्मेंस के दौरान वह अक्सर मास्क पहनकर नजर आते हैं। यहां तक कि बिना मास्क होने पर भी वह कैमरे से दूरी बनाए रखते हैं। हालांकि हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें बिना मास्क के भी सामने आई थीं, जिसने फैंस के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी। फिलहाल तलविंदर और दिशा पाटनी के रिश्ते को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। दोनों की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन तलविंदर के हालिया बयान ने यह जरूर साफ कर दिया है कि दोनों एक-दूसरे को समझने के दौर से गुजर रहे हैं।

ओ रोमियो की रिलीज से पहले तृप्ति डिमरी ने करवाया स्टनिंग फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने बीते कुछ सालों में अपनी मेहनत, टैलेंट और दमदार परफॉर्मेंस के दम पर इंडस्ट्री में एक खास पहचान बना ली है। इन दिनों एक्ट्रेस अपनी आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह एक्टर शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है। वहीं, इससे पहले तृप्ति ने एक स्टनिंग फोटोशूट करवाया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर उन्होंने फैंस का दिल धड़का दिया है। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में तृप्ति डिमरी ऑरेंज कलर के स्लीवलेस अनारकली सूट में बेहद स्टनिंग लग रही हैं। अपने इस लुक को तृप्ति ने वेवी हेयर, ग्लैम मेकअप और हैवी ईयररिंग्स के साथ कंप्लीट किया है। ट्रेडिशनल लुक में तृप्ति का यह अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। तस्वीरों में तृप्ति अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं और हर फ्रेम में उनकी एलिगेंस साफ झलक रही है। उनके इस लुक पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में तारीफों की बाढ़ आ गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो तृप्ति डिमरी इस साल साउथ के सुपरस्टार प्रभास के साथ भी बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हैं। वह संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' का हिस्सा हैं। इस फिल्म को लेकर भी दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। वहीं, इन दिनों उनकी चर्चित अपकमिंग फिल्म 'ओ रोमियो' की बात करें तो यह वेलेंटाइन के मौके यानी 13 फरवरी को रिलीज होने के पूरी तरह तैयार है।

5 सालों की उठा-पटक के अब धमाकेदार वापसी करेंगी रिया चक्रवर्ती, बोलीं, जिंदगी वही है जो आपके साथ होती है

साल 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती की जिंदगी में गहरा तूफान आया। कानूनी जांच, मीडिया ट्रायल और सार्वजनिक आलोचनाओं ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया। ड्रग्स से जुड़े एक मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद उन्होंने करीब 28 दिन भायखला जेल में बिताए। बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह बाहर आईं। लंबे समय तक चली जांच के बाद आखिरकार उन्हें मार्च 2025 में क्लीन चिट दे दी गई। हालांकि, इन पांच सालों के बीच रिया की पूरी तरह बदल गई। वहीं, अब पांच सालों तक जिंदगी में चली उठा-पटक के बाद रिया और मजबूत होकर सामने आई हैं। एक्ट्रेस एक बार फिर अपने करियर को नई दिशा देने के लिए तैयार हैं। लंबे संघर्ष के बाद रिया चक्रवर्ती एक बार फिर कैमरे के सामने लौटने के लिए तैयार हैं। लंबे ब्रेक के बाद वह वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस' के जरिए अपने अभिनय करियर की नई शुरुआत कर रही हैं। इस वापसी को लेकर रिया ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनका उत्साह, डर और उम्मीद तीनों साफ झलकते हैं। वीडियो में रिया बताती हैं कि उन्हें किसी सेट पर कदम रखे हुए करीब सात साल हो चुके हैं, लेकिन अभिनय के लिए उनका जुनून आज भी वैसा ही है। उन्होंने कहा कि समय ने भले ही उन्हें बदल दिया हो, लेकिन उनके भीतर की वह लड़की अब भी जिंदा है, जो 17 साल की उम्र में एक्टर बनने का सपना लेकर मुंबई आई थी। रिया के शब्दों में, सेट पर गए हुए 7 साल हो गए हैं...लेकिन मैं आज भी वही लड़की हूं जो 17 साल की उम्र में एक्टर बनने का सपना लेकर बॉम्बे आई थी। मेरा एक हिस्सा आगे बढ़ गया, लेकिन एक हिस्सा वहीं रुका रहा और इंतजार करता रहा। और मैं यहां हूं, एक बार फिर अपने चौप्टर 2 में...ऐसा लगता है कि जिंदगी वही है जो आपके साथ होती है जब आप दूसरी योजनाएं बनाने में व्यस्त होते हैं। अपनी पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने जिंदगी के उतार-चढ़ाव पर भी बात की। रिया ने लिखा कि अक्सर जिंदगी वही मोड़ ले लेती है, जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की होती और वही हमें आगे बढ़ना सिखाती है। रिया ने वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि आखिरी बार वो चेहरे में नजर आई थीं और अब वो सात साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत का जिक्र किए बिना कहा कि उनकी जिंदगी में कुछ ऐसा हुआ था कि काम मिलना बंद हो गया था। अब वो कई सालों बाद कैमरे के सामने वापसी कर रही हैं, जो उन्हें अच्छा लग रहा है।रिया की इस ईमानदार स्वीकारोक्ति पर फैंस का जबरदस्त रिएक्शन देखने को मिला। कमेंट सेक्शन में लोग उन्हें हिम्मत, ताकत और नई शुरुआत के लिए बधाइयां दे रहे हैं।

'फैमिली बिजनेस', नेटफ्लिक्स की सीरीज एक हाई-स्टेक कॉर्पोरेट ड्रामा है, जिसकी कहानी सत्ता, पारिवारिक रिश्तों और विश्वासघात के इर्द-गिर्द घूमती है। इस शो की खास बात यह है कि इसमें पहली बार अनिल कपूर और विजय वर्मा एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। सीरीज का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है, जो अपनी सशक्त और यथार्थवादी कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं। शो की स्टार कास्ट भी काफी दमदार है, रिया चक्रवर्ती के साथ अनिल कपूर, विजय वर्मा, नेहा धूपिया, रायमा सेन, आकाश खुराना, कंवलजीत सिंह, अनंत नाग, ध्रुव सहगल, नंदिश संधू, टीना देसाई जैसे कई मजबूत कलाकार इसमें शामिल हैं।

'सूबेदार' का पोस्टर रिलीज, ताबड़तोड़ एक्शन करेंगे अनिल कपूर

'सूबेदार' फिल्म पिछले साल रिलीज होने वाली थी लेकिन पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा ना होने के चलते इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। इस मूवी में अनिल कपूर और राधिका मदान लीड रोल में नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर मूवी है। फिल्म का पहला पोस्टर और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की जानकारी आज मेकर्स ने शेयर की है। फिल्म 'सूबेदार' के पोस्टर में अनिल कपूर स्वैग के साथ पंच मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्टर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में ताबड़तोड़ एक्शन करेंगे। यह मूवी अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। हालांकि अभी इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन जल्द ही यह फिल्म रिलीज हो सकती है। इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। अनिल कपूर इस प्रोजेक्ट के को-प्रोड्यूसर भी हैं। मूवी में अनिल कपूर एक रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। जो परिवार पर खतरा आने पर दुश्मनों से निपटने के लिए फिर से अपने पुराने अवतार में लौटता है। फिल्म में एक्शन के साथ एक इमोशनल एंगल भी है। 'सूबेदार' के अलावा अनिल कपूर कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। पिछले साल फिल्म वॉर 2 में नजर आए थे। इस साल अल्फा और किंग फिल्म में भी नजर आएंगे। दोनों ही फिल्में इसी साल रिलीज होंगी। शकिंगश फिल्म में अनिल कपूर के अलावा कई नामी एक्टर्स भी नजर आएंगे।

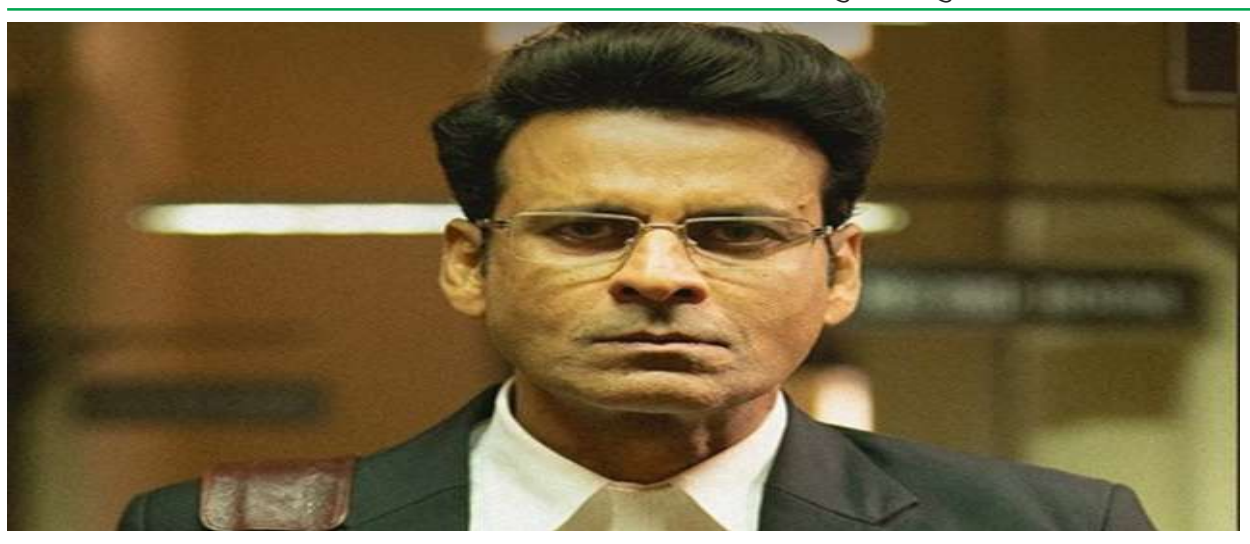

विवादों में घिरी मनोज बाजपेयी की 'घूसखोर पंडित', फिल्म के नाम को लेकर हुई रिलीज पर रोक लगाने की मांग

मनोज बाजपेयी की अपकमिंग फिल्म 'घूसखोर पंडित' रिलीज से पहले ही विवादों के घेरे में आ गई है। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली इस फिल्म के टाइटल को लेकर अब मामला सीधे दिल्ली हाई कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि फिल्म का नाम ब्राह्मण समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला और अपमानजनक है। दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि फिल्म के शीर्षक और प्रमोशनल कंटेंट में 'पंडित' शब्द को जानबूझकर भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी जैसे नकारात्मक अर्थों से जोड़ा गया है। याचिकाकर्ता वकील विनीत जिंदल का कहना है कि यह शीर्षक एक विशेष धार्मिक और सामाजिक समुदाय की छवि को नुकसान पहुंचाता है।

याचिका में यह भी दावा किया गया है कि फिल्म की रिलीज से ब्राह्मण समुदाय की प्रतिष्ठा और सामाजिक सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। याचिकाकर्ता ने आशंका जताई कि इस तरह का कंटेंट सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दे सकता है और इससे सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने का खतरा भी है। इस मामले में केंद्र सरकार को भी मुख्य पक्षकार बनाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि डिजिटल और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को रेगुलेट करना सरकार की जिम्मेदारी है और ऐसे कंटेंट पर रोक लगाई जानी चाहिए जो सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचा सकता है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से अपील की है कि फिल्म की रिलीज पर तत्काल रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि क्रिएटिव फ्रीडम के नाम पर किसी भी धार्मिक या सामाजिक समूह को निशाना बनाना उचित नहीं है। याचिका में यह भी कहा गया है कि यह कथित कंटेंट संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 25 का उल्लंघन करता है। इसके साथ ही केंद्र सरकार से यह भी आग्रह किया गया है कि मौजूदा डिजिटल कानूनों के तहत नेटफ्लिक्स के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए और भविष्य में इस तरह के विवादित कंटेंट पर सख्त नियंत्रण रखा जाए। अब देखना ये होगा कि दिल्ली हाई कोर्ट इस याचिका पर क्या रुख अपनाता है और क्या मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडित' अपनी तय रिलीज से पहले किसी बड़ी कानूनी अड़चन में फंसती है या नहीं।

महाशिवरात्रि पर पूरी रात भक्तों को दर्शन देंगे बाबा विश्वनाथ, आरती को लेकर नया टाइम जारी

महाशिवरात्रि का महापर्व 15 फरवरी को पूरे देश में मनाया जाएगा। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने बुधवार को बाबा विश्वनाथ के चारों प्रहर की आरती का समय जारी कर दिया है। बाबा की मंगला आरती प्रातः 2:15 बजे पूजा आरम्भ होने के साथ होगी तथा प्रातः 3:15 बजे आरती समाप्त होगी। इसके बाद प्रातः 3:30 बजे मंदिर दर्शनार्थियों के लिए खुलेगा। मध्याह्न भोग आरती प्रातः 11.40 बजे पूजा के साथ आरम्भ होगी तथा मध्याह्न 12:20 बजे पूजा समाप्त होगी।मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन के लिए इन समयों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। चारों प्रहर की आरती में क्रमशः प्रथम प्रहर में रात्रि 9:30 बजे शंख बजेगा तथा पूजा की तैयारी होगी। इस दौरान झांकी दर्शन सतत् चलता रहेगा। रात्रि 10:00 बजे से आरती प्रारम्भ होकर रात्रि 12:30 बजे समाप्त होगी। द्वितीय प्रहर में रात्रि 1:30 बजे से आरती प्रारम्भ होकर रात्रि 2:30 बजे समाप्त होगी तथा झांकी दर्शन चलता रहेगा।

तृतीय प्रहर में प्रातः 3:30 बजे से आरती प्रारम्भ होकर प्रातः 4:30 बजे समाप्त होगी तथा बाबा का झांकी दर्शन श्रद्धालुओं को होता रहेगा। चतुर्थ प्रहर में प्रातः 5:00 बजे से आरती प्रारम्भ होकर प्रातः 6:15 बजे समाप्त होगी तथा इस दौरान झांकी दर्शन चलता रहेगा। वहीं, शहर के विभिन्न शिवालयों से इसी दिन शिव बारात भी निकाली जाती है। तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर से निकलने वाली भव्य शिव बारात को देखने देश के कोने–कोने से श्रद्धालु आते हैं। शाम को मैदागिन से शिव बारात निकलती है, जिसमें विभिन्न प्रकार की झाँकियाँ निकाली जाती हैं। इस दौरान काशी की सड़कों पर विहंगम दृश्य देखने को मिलता है।

दो साल तक इन राशि वालों को देनी होगी परीक्षा, 2028 तक चलेगी शनि ढैय्या

शनि ढैय्या जीवन का ऐसा दौर है जो व्यक्ति को मजबूत बनाता है। अगर सही कर्म और संयम रखा जाए, तो यह समय भी तरक्की का कारण बन सकता है। शनि ढैय्या को शनि के प्रभाव का ढाई साल का समय कहा जाता है, जिसमें व्यक्ति को जीवन में कई तरह की परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार सिंह और धनु राशि वालों को शनि ढैय्या से बड़ी राहत मिलने वाली है। लंबे समय से चल रही परेशानियों के बाद इन राशियों के लिए परिस्थितियां धीरे–धीरे अनुकूल होने लगेंगी।

शनि ढैय्या से कब मिलेगी राहत?

कहा जाता है कि 2026 के दौरान शनि की चाल में बदलाव के कारण सिंह और धनु राशि वालों पर शनि ढैय्या का प्रभाव कमजोर पड़ने लगेगा। सिंह राशि वालों को शनि की ढैय्या से राहत 3 जून 2027 को मिलेगी हालांकि, यह राहत स्थायी नहीं होगी 20 अक्टूबर 2027 से शनि ढैय्या एक बार फिर प्रभावित होगी जो 23 फरवरी 2028 तक बनी रहेगी । धनु राशि वालों को भी शनि ढैय्या से पूर्ण रूप से मक्ति 23 फरवरी 2028 को ही मिलेगी।

शनि ढैय्या क्या होती है?

जब शनि ग्रह किसी राशि से एक राशि आगे (द्वितीय भाव) या बारहवीं राशि (द्वादश भाव) में गोचर करता है, तब उस राशि पर शनि ढैय्या लगती है। इसका समय लगभग 2 साल 6 महीने (ढाई साल) का होता है। शनि ढैय्या के दौरान व्यक्ति को मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है। काम में रुकावटें आती हैं, मानसिक तनाव और धैर्य की परीक्षा होती है। फैसले सोच–समझकर लेने पड़ते हैं। लेकिन यह समय सजा नहीं, बल्कि कर्मों का फल माना जाता है।

23 फरवरी 2028 से शुरू होगा "गोल्डन पीरियड"

ज्योतिषियों के अनुसार 23 फरवरी 2028 के बाद सिंह और धनु राशि वालों के लिए समय खासा शुभ हो सकता है। इसे "गोल्डन पीरियड" कहा जा रहा है, जिसमें करियर में तरक्की और नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मान–सम्मान और पहचान में वृद्धि होगी और रुके हुए काम भी पूरे होंगे।

शनि ढैय्या के प्रभाव को कम करने के उपाय

ईमानदारी और मेहनत से काम करते रहें। शनिवार को जरूरतमंदों को दान करें। संयम और धैर्य बनाए रखें। बुजुर्गों और गरीबों का सम्मान करें। शास्त्रों के अनुसार शनि कर्मों का न्याय करते हैं, वे किसी के साथ अन्याय नहीं करते।

शाहनाज हुसैन के इन आसान ब्यूटी टिप्स से घर बैठे मिलेगी ग्लोइंग स्किन!

चमकती और निखरी त्वचा पाना हर महिला का सपना होता है। इसके लिए महिलाएं महंगे ब्यूटी सलूनों से लेकर अनेक जतन करती हैं। लेकिन इसके बावजूद मनचाहे परिणाम न मिलने पर कई बार निराशा ही हाथ लगती है। आप इन घरेलू उपायों से घर बैठे ही मनचाही त्वचा पा सकती हैं।

गेंदे के फूल, दही और चंदन

एक–दो गेंदे के फूलों में दही, चंदन का पाउडर मिलाएं। चेहरे पर 20 मिनट लगा कर रखें। इससे चेहरे को ठंडक मिलेगी। पिंपल्स और रैशेज दूर होंगे। यह एस्ट्रिंजेंट की तरह काम करेगा और चेहरे को ऑयल फ्री रखेगा। स्किन के पोर्स भी बंद होंगे। यह कॉम्बिनेशन स्किन के लिए बेहद असरदार है।

शहद और दही

शहद और दही में कुछ बूंदे रेड वाइन की मिलाएं। इसे फेस पर लगा कर 20 मिनट तक के लिए छोड़ दें। सादे पाने से चेहरा धो लें। यह स्किन को सॉफ्ट बनाएगा और उसे पूरी तरह मॉइश्चराइज भी करेगा। टैनिंग दूर होगी और त्वचा पर चमक लौट आएगी।

दूध और चोकर

गुनगुने दूध में चोकर डाल कर रखें। नहाने से पहले चेहरे, गर्दन और पीठ पर लगाएं। सूखने पर चेहरा धो लें। रेगुलर लगाने पर कॉम्पलेक्शन अच्छा हो जाएगा।

एवोकाडो

ताजे और कच्चे एवोकाडो पल्प में एलोवेरा जेल मिला कर पैक बनाएं। चेहरे पर लगा कर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। एवोकाडो में 20 तरह के विटामिन, मिनरल और एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं। इससे स्किन के एजिंग साइन भी दूर होने लगते हैं।

मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी में कई मिनरल होते हैं। इसका मास्क लगाने से स्किन के ऑयल ग्लैंड कंट्रोल होते हैं। चेहरा रूखा और मुरझाया नहीं दिखता।

मूंग दाल और टमाटर

ऑयली स्किन के लिए 1 बड़ा चम्मच मूंग दाल को पानी में कुछ देर भिगो कर रखें और पेस्ट बनाएं। इसमें मैश किए टमाटर मिलाएं। चेहरे पर लगा कर इसे हल्के हाथ से चेहरे की मसाज करें। 20 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

खीरा औप पपीता

खीरा और पका हुआ पपीता मैश करें। इसे दही में मिलाएं। नीबू का रस डालें। चेहरे और गर्दन पर लगाएं। आधे घंटे बाद चेहरा धो लें। टैनिंग दूर होती है।

चोकर और बादाम

2 छोटे चम्मच चोकर, 1 छोटा चम्मच बादाम का पाउडर, शहद, दही, अंडे का सफेद हिस्सा और रोज वॉटर मिलाएं। आंखों और होंठों के आसपास का हिस्सा छोड़ कर चेहरे पर लगाएं।

रेड वाइन और एलोवेरा जेल

ड्राई स्किन के लिए रेड वाइन, एलोवेरा जेल और मिल्क पाउडर मिक्स करें। 20 मिनट चेहरे पर लगा कर रखें। नॉर्मल स्किन के लिए फ्रूट फेस पैक लगाएं।

फ्रूट पैक

तरबूज, पपीता, अनार में से किसी भी एक फल को लेकर उसका रस या पल्प निकालें और उसमें स्किन टाइप के मुताबिक शहद या नींबू की रस की कुछ बुंदे मिलाएं। इस पैक का रोज इस्तेमाल करें।

मुलतानी मिट्टी

ऑयली स्किन के लिए मुलतानी मिट्टी को गुलाब जल के साथ मिक्स करें। चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें। एक्ने प्रोन स्किन मुलतानी मिट्टी में चंदन का पेस्ट, रोज वॉटर और नीम की सूखी पत्तियों का पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट के बाद धो लें।

बेसन

खूबसूरती बढ़ाने के लिए बेसन का इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। यह खूबसूरती बढ़ाने के साथ ही त्वचा सम्बन्धी समस्यायों को कम करने के लिए भी उपयोग में लाया जाता है। एक कटोरी में हल्दी , कच्चा दूध और बेसन डालें और इसका मिश्रण तैयार कर लें ।

इस मिश्रण को चेहरे पर लगा कर प्रकृतिक वातावरण में सूखने दें । सूखने के बाद चेहरे को ताजे साफ पानी से धो डालें। आप इसे रोजाना उपयोग में ला सकती हैं।

(लेखिका अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ है तथा हर्बल क्वीन के रुप में लोकप्रिय है)

सॉफ्ट टॉयज से बच्चों को हो सकता है इन्फेक्शन! बरतें ये सावधानियां

आज सब टेडी डे मना रहे हैं और अपने चाहने वालों को टेडी दे रहे हैं जो कि एक सॉफ्ट टॉय है। सॉफ्ट टॉयज सब को पसंद होते हैं, महिलाओं तो क्या बच्चों को भी टेडी या कोई भी दूसरा सॉफ्ट टॉय बहुत ही अच्छे लगते हैं। कई बच्चों को सॉफ्ट टॉयज साथ में लेकर सोने की आदत होती है, तो कई बच्चे इसके बिना खाना तक नहीं खाते हैं। वे सॉफ्ट टॉयज को लेकर इतने संवेदनशील होते हैं कि उसे किसी के साथ शेयर करना उन्हें पसंद नहीं आता है। मगर क्या आप जानते हैं कि मखमल से मुलायम ये सॉफ्ट टॉयज बच्चों की सेहत के लिए कितने हानिकारक होते हैं? इन्हें समय–समय पर धोते रहना चाहिए। अन्यथा आपके बच्चों को रायनाइटिस की समस्या हो सकती है।

रायनाइटिस क्या है?

लगातार छीकें आना, नाक से पानी जैसा तरल पदार्थ का लगातार बहना, सिरदर्द होना और नाक, तालू में खुजली होना, ज्यादातर ये दिक्कतें रायनाइटिस के कारण होती हैं। रायनाइटिस की असली जड़ धूल–मिटटी है। मौसम में बदलाव के कारण रायनाइटिस हो सकता है। जिस तरह हम अपने कपड़े रोज साफ करते हैं, उसी तरह हमें बच्चों के सॉफ्ट टॉयज भी रोजाना धोने चाहिए। ऐसा नहीं करने पर बच्चों में रायनाइटिस की समस्या हो सकती है। दरअसल, गंदे सॉफ्ट टॉयर बच्चों के इम्यून को वीक कर देते हैं। जिसके चलते वे जल्दी–जल्दी इन्फेक्शन के चपेट में आ जाते हैं।

सॉफ्ट टॉयज से कैसे होता है इन्फेक्शन?

धूल–मिट्टी सबसे पहले उड़कर सॉफ्ट टॉयज में आकर जमा होती हैं। हम इसे रोज नहीं धोते हैं, जिसके कारण इनमें हानिकारक बैक्टीरिया जमा होते जाते हैं। जब बच्चा इन्हें साथ लेकर सोता है, तो सांस लेते समय यह बारीक कण उसके नाक में घुस जाते हैं। इसी से नाक में ब्लॉकेज हो जाती है।

सॉफ्ट टॉयज को कैसे रखें साफ?

अगर सॉफ्ट टॉयज मशीन से धुल सकते हैं, तो इन्हें सफ्ताह में एक बार जरूर धोइए और अच्छे से ड्राई भी कीजिए। सुखाने के लिए धुप में रखें। यदि सॉफ्ट टॉयज मशीन में धुलकर खराब हो सकते हैं, तो इन्हें गरम पानी में डिटर्जेंट डालकर स्क्रब से साफ कीजिए। वैक्युम या ड्राईक्लीन भी करवा सकते हैं।

यदि बच्चे को सॉफ्ट टॉयज लेकर सोने की आदत है, नींद लगते ही धीरे से टॉय को हटा दीजिए।

बच्चे को एकाद सॉफ्ट टॉयज ही खेलने को दें। बाकी को आप अच्छे से पैक कर दें।

सॉफ्ट टॉय से ध्यान हटाने के लिए उसे दूसरी एक्टिविटीज में इन्वॉल्व कीजिए।

कहीं प्यार के नाम पर आप भी तो नहीं कर रही बच्चे को ओवरफीड? बिगाड़ सकता है उसका हाजमा

बेटा ये खा लो... बच्चा प्लीज ये खालो... बस एक बाइट और ये कौर मंमा का... और ये बस आखिरी बाइट अगर आप भी अपने बच्चे को तंदुरस्त बनाने के नाम पर हर समय ऐसे छोटे–छोटे डॉयलॉग बोलकर उनके पीछे पड़ी रहती हैं तो हर समय उन्हें फीड कराकर आप उनका हाजमा खराब कर रही हैं, यानी अनजाने में ही सही लेकिन आप उसकी सेहत बिगाड़ रहे हैं।

ओवर फीड न कराएं

वहीं बच्चों को सबकुछ हजम हो जाता है क्योंकि वो दिनभर दौड़भाग करते हैं। ऐसे में उन्हें ज्यादा एनर्जी की जरूरत पड़ती है। ऐसी सोंच रखने वाले पैरेंट्स को भी अपने बच्चों की डाइट पर बेहद ध्यान देने की जरूरत है। ऐसे में बच्चों को जरूरत से ज्यादा डाइट खिलाने को मजबूर करने के लिए उन्हें मोबाइल फोन थमाने का लालच तो एकदम नहीं देना चाहिए।

खराब हो जाएगा बच्चे का हाजमा

अगर आप भी ऐसा करते हैं तो जाने–अनजाने आप उसका हाजमा खराब करने के साथ उसकी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। डायटीशियन का मानना है कि बच्चों को भोजन टाइम देखकर नहीं बल्कि उसकी भूख देखकर दिया जाना चाहिए। तभी उसकी सेहत को अधिक फायदा होता है, नहीं तो बच्चे का

पेट खराब हो सकता है या उसका पाचन कमजोर हो सकता है।

भूख का अहसास जरूरी

बिना भूख लगे अपने छोटे बच्चों को चिड़िया की तरह हर समय चुगाना गलत है। बच्चा भले ही स्वाद के नाम पर अपनी पसंदीदा चीजों को लगातार खाता रहे लेकिन वो तो मासूम है।

हमेशा पेट भरा रहने के चलते उसे ये पता चल ही नहीं पाता है कि भूख क्या होती है? दरअसल जब तक आपका बच्चा मिल्क डायट पर होता है, तब तक तो वो भूख लगने पर रोकर अपनी बात समझा देता है। लेकिन अन्नप्राशन संस्कार के बाद जब वो अन्न खाने लगता है तो आप अपने लाड़–प्यार में हर समय उसे कुछ ना कुछ खिलाने का प्रयास करते रहते हैं। इससे उसे भूख का पता ही नहीं चल पाता। इसके कई नुकसान होते हैं, पहला ये कि बच्चा भूख के अहसास को समझ नहीं पाता और दूसरा ये कि उसका पाचन जाने–अनजाने कमजोर हो जाता है।

संक्षिप्त

विराट कोहली का भावुक संदेश, कहा- आप लोग इस ट्रॉफी के हकदार

वडोदरा,एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की महिला प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में शानदार जीत के बाद पुरुष टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। कोहली ने इस जीत को पूरी टीम, प्रबंधन और खासतौर पर आरसीबी के जज्बाती प्रशंसकों को समर्पित किया। विराट कोहली ने अपने आधिकारिक पोस्ट में लिखा कि आरसीबी एक बार फिर चैंपियन बनी है और टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया है, जिस पर हर प्रशंसक को गर्व होना चाहिए। उन्होंने कप्तान स्मृति मंधाना की तारीफ करते हुए महिला टीम, सपोर्ट स्टाफ और मैनेजमेंट को इस शानदार और यादगार जीत के लिए बधाई दी। कोहली ने अपने संदेश में कहा कि टीम ने इस जीत को पूरी तरह डिजर्व किया है और खिलाड़ियों को इस पल का भरपूर आनंद लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने आरसीबी के फैन्स के प्यार और समर्थन को भी खास तौर पर सराहा। विराट का यह संदेश न सिर्फ टीम का हौसला बढ़ाने वाला रहा, बल्कि आरसीबी फैन्स के लिए भी भावुक कर देने वाला पल बन गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की दिल्ली कैपिटल्स पर छह विकेट से जीत के साथ महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का समापन हो गया। गुरुवार को वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 19.4 ओवर में चार विकेट खोकर 204 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। आरसीबी ने दूसरी बार महिला प्रीमियर लीग का खिताब जीता है। इससे पहले टीम 2024 में दिल्ली के ही खिलाफ फाइनल मैच जीतकर चैंपियन बनी थी। इसी के साथ स्मृति मंधाना बतौर कप्तान दो डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने वाली खिलाड़ी बन गईं। इस मामले में उन्होंने मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर की बराबरी कर ली, जिन्होंने 2023 औरर 2025 में खिताब जीता था।

भारत ने रूस से 38 महीने में किया सबसे कम तेल आयात, सरकार ने दिसंबर 2025 के आंकड़े किए जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 में भारत ने रूस से 2.7 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया, जो फरवरी 2024 के बाद किसी भी महीने में सबसे कम है। यह नवंबर 2025 के 3.7 अरब डॉलर के आयात से करीब 27प्रतिशत कम और दिसंबर 2024 के 3. 2 अरब डॉलर की तुलना में 15: से अधिक की गिरावट है। यह गिरावट ऐसे समय आई है, जब अमेरिका ने 22 अक्तूबर को रूसी तेल क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। अमेरिका ने इन कंपनियों से जुड़े सभी लेन–देन 21 नवंबर तक समाप्त करने की समय–सीमा तय की थी। ये दोनों कंपनियां भारत को रूसी तेल निर्यात की प्रमुख आपूर्तिकर्ता रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, तेल विपणन कंपनियों और निजी रिफाइनरों से इस विषय पर संपर्क किया गया। रिलायंस इंडस्ट्रीजऔर पेट्रोलियम क्षेत्र की कुछ कंपनियों ने प्रतिक्रिया दी, जबकि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बावजूद, रूस 2025–26 में भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। दिसंबर 2025 में भारत के कुल 11.4 अरब डॉलर के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 24प्रतिशत रही। अन्य प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में इराक (2.4 अरब डॉलर), सऊदी अरब (1.8 अरब डॉलर), यूएई (1.7 अरब डॉलर) और अमेरिका (0.6 अरब डॉलर) शामिल रहे। वित्त वर्ष 2025–26 के पहले नौ महीनों (अप्रैल–दिसंबर) में भारत ने 34 देशों से कुल 105.1 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया। इस अवधि में रूस 33.1 अरब डॉलर के साथ सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा, जिसकी हिस्सेदारी 31.5प्रतिशत रही। इसके मुकाबले, पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कुल 109.3 अरब डॉलर के आयात में रूस की हिस्सेदारी 39.9 अरब डॉलर या 36.5प्रतिशत थी। इसी दौरान अमेरिका से आयात बढ़ा है। दिसंबर 2025 में अमेरिका से 0.6 अरब डॉलर का कच्चा तेल आया, जो एक साल पहले 0.4 अरब डॉलर था। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच अमेरिका ने भारत को 8.2 अरब डॉलर का तेल निर्यात किया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 5 अरब डॉलर से 7.8प्रतिशत अधिक है। भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि भारत रूसी तेल आयात को शून्य करने पर सहमत हुआ है। हालांकि, नरेंद्र मोदी सरकार ने इस दावे पर सीधे प्रतिक्रिया नहीं दी और कहा कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आईसीसी की सजा से बचने के लिए पाकिस्तान की नई चाल! क्या है फोर्स मेज्योर

दुबई,एजेंसी। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले का बहिष्कार करने की स्थिति में पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की कड़ी कार्रवाई से बचने के लिए फोर्स मेज्योर क्लॉज लागू करने की कोशिश कर सकता है। यह दावा द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में किया गया है। अगर पाकिस्तान 15 फरवरी को होने वाले भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करता है, तो भारत को सीधे दो अंक मिल जाएंगे, जबकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भारी आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, फोर्स मेज्योर क्लॉज उन अप्रत्याशित परिस्थितियों पर लागू होता है, जिनके चलते कोई पक्ष अपनी संविदात्मक जिम्मेदारी पूरी नहीं कर पाता। रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी अपने फैसले को सही ठहराने के लिए पाकिस्तान सरकार के उस सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दे सकता है, जिसमें भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार की बात कही गई थी। पीसीबी यह तर्क दे सकता है कि उसे सरकार के निर्देशों के तहत यह फैसला लेना पड़ा और यह एक असाधारण स्थिति है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि यह उनका आखिरी विकल्प है, क्योंकि भारत के खिलाफ मैच न खेलने की कोई और ठोस वजह उनके पास नहीं है। इस पूरे मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की दलील कमजोर है और ज्यादा टिकने वाली नहीं है। बीसीसीआई से जुड़े एक सूत्र ने द इंडियन एक्सप्रेस से कहा, जब पाकिस्तान को उसी दिन अंडर–19 विश्व कप में भारत के खिलाफ खेलने में कोई दिक्कत नहीं थी, जिस दिन उसकी सरकार ने टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार की बात कही थी, तो यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और पाकिस्तान सरकार में कोई खास फर्क नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पीसीबी के संरक्षक हैं और बोर्ड का प्रमुख खुद मंत्री है। बीसीसीआई सूत्र ने आगे आरोप लगाया, श्पाकिस्तान और बांग्लादेश बोर्ड क्रिकेट में राजनीति मिला रहे हैं। भारतीय सरकार ने बार–बार सुरक्षा की गारंटी दी, फिर भी बांग्लादेश की टीम भारत नहीं आई। अब पाकिस्तान भी गैर–तार्किक रवैया अपना रहा है। आईसीसी आयोजनों में यह सहमति बनी

हुई है कि भारत और पाकिस्तान न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेंगे। इसके बावजूद मैच का बहिष्कार करना सिर्फ शरारत है। इससे पहले बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मुकाबले के बहिष्कार के फैसले को दोहराया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने इस मुद्दे पर अपना रुख साफ कर लिया है। इस्लामाबाद में संघीय कैबिनेट को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा, हमने टी20 विश्व कप को लेकर साफ स्टैंड ले लिया है कि हम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे। लेकिन इसी बयान के बाद सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हुआ कि क्या पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस फैसले के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की सख्त कार्रवाई से बच सकता है? इस एलान ने पूरे टूर्नामेंट को कानूनी और प्रशासनिक संकट में डाल दिया है। इस पूरे विवाद के केंद्र में एक कानूनी शब्द है– फोर्स मेज्योर।

फोर्स मेज्योर क्या होता है?

फोर्स मेज्योर एक कानूनी प्रावधान होता है, जो किसी संस्था को उसकी जिम्मेदारी से अस्थायी राहत देता है, अगर कोई ऐसी असाधारण घटना हो जाए जो उसके नियंत्रण से बाहर हो। आईसीसी के नियमों में फोर्स मेज्योर के उदाहरण हैं–

युद्ध

आतंकवाद

प्राकृतिक आपदा

या फिर सरकार का बाध्यकारी आदेश

अगर किसी बोर्ड पर उसकी सरकार आधिकारिक रूप से कोई फैसला थोप देती है, तो वह बोर्ड यह दावा कर सकता है कि वह मजबूरी में नियम तोड़ रहा है, जानबूझकर नहीं।

आईसीसी के नियम क्या कहते हैं?

आईसीसी के मेंबर्स पार्टिसिपेशन एग्रीमेंट के क्लॉज 12 के मुताबिक, कोई बोर्ड तभी फोर्स मेज्योर का दावा कर सकता है, जब–

घटना उसके नियंत्रण से बाहर हो

उस वजह से मैच खेलना असंभव हो जाए

बोर्ड लिखित सबूतों के साथ आईसीसी को सूचना दे

नुकसान कम करने की कोशिश की जाए

अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की पूरी दलील इन्हीं चार बिंदुओं पर टिकेगी।

मोहसिन नकवी–शहबाज शरीफ –

पाकिस्तान का तर्क क्या है?

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यह कह सकता है कि–

पाकिस्तान सरकार ने आधिकारिक बयान दिया है।

प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से कहा कि भारत के खिलाफ मैच नहीं होगा।

ऐसे में पीसीबी के पास कोई विकल्प नहीं बचा।

पीसीबी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बयान हमने टी20 विश्व कप को लेकर साफ स्टैंड ले लिया है कि भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे। खेल में राजनीति नहीं होनी चाहिएश को सरकार का बाध्यकारी आदेश बताकर फोर्स मेज्योर लागू करने की कोशिश करेगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की चाल

पाकिस्तान यह भी दलील देगा कि–

टीम श्रीलंका पहुंच चुकी है।

अभ्यास मैच खेल रही है।

बाकी मुकाबले खेलने को तैयार है।

पाकिस्तान के पूर्व आईसीसी प्रमुख की जय शाह को सलाह, कहा- पाक जाकर नकवी और सरकार को मनाएं

दुबई,एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में भारत–पाकिस्तान मुकाबले को लेकर चल रहे विवाद में अब एक नया और तीखा बयान सामने आया है। आईसीसी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व प्रमुख एहसान मनी ने इस पूरे मामले में सीधे तौर पर भारत और आईसीसी चेयरमैन जय शाह को कटघरे में खड़ा कर दिया है। एहसान मनी ने बड़बोलापन दिखाते हुए कहा है कि जय शाह को खुद पाकिस्तान जाना चाहिए और वहां की सरकार को भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला वापस लेने के लिए मनाना चाहिए। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि जय शाह को पाकिस्तान की शिकायतें भी सुननी चाहिए। पाकिस्तानी अखबार डॉन से बातचीत में एहसान मनी ने कहा, उन्हें पाकिस्तान जाना चाहिए, सरकार को बहिष्कार खत्म करने के लिए मनाना चाहिए और पाकिस्तान की शिकायतें भी सुननी चाहिए। ICC चेयरमैन के लिए बेहतर होगा कि वह खुद पाकिस्तान सरकार से बात करें। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत–पाकिस्तान मुकाबले के बहिष्कार से आईसीसी, ब्रॉडकास्टर्स और मेजबान देशों को करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर भारत आने से इनकार कर दिया। पाकिस्तान ने उसका समर्थन किया, लेकिन आईसीसी ने इस दलील को खारिज कर दिया और तय समय पर पुष्टि न मिलने पर बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। इसके बाद पीसीबी चेयरमैन और पाकिस्तानी मंत्री मोहसिन नकवी ने इसे नाइंसाफी करार दिया और फिर पाकिस्तान सरकार ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने का निर्देश दे दिया। एहसान मनी का मानना है कि आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा इस विवाद को सुलझाने के लिए सही व्यक्ति नहीं हैं।

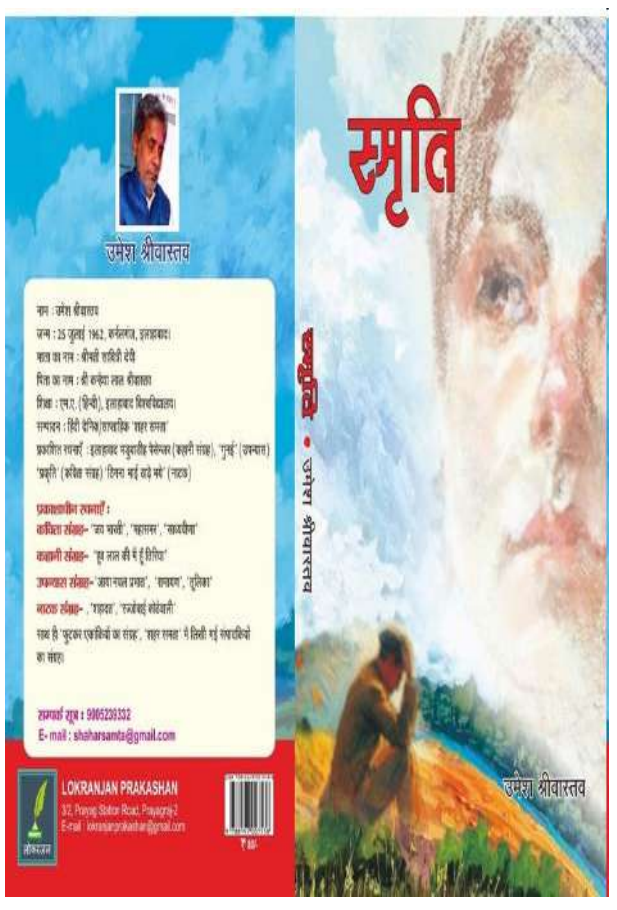

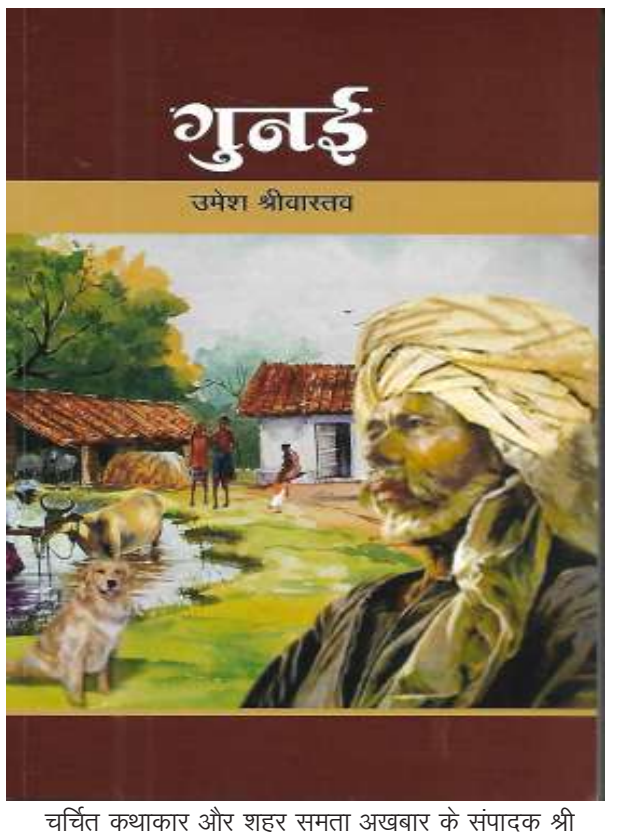

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

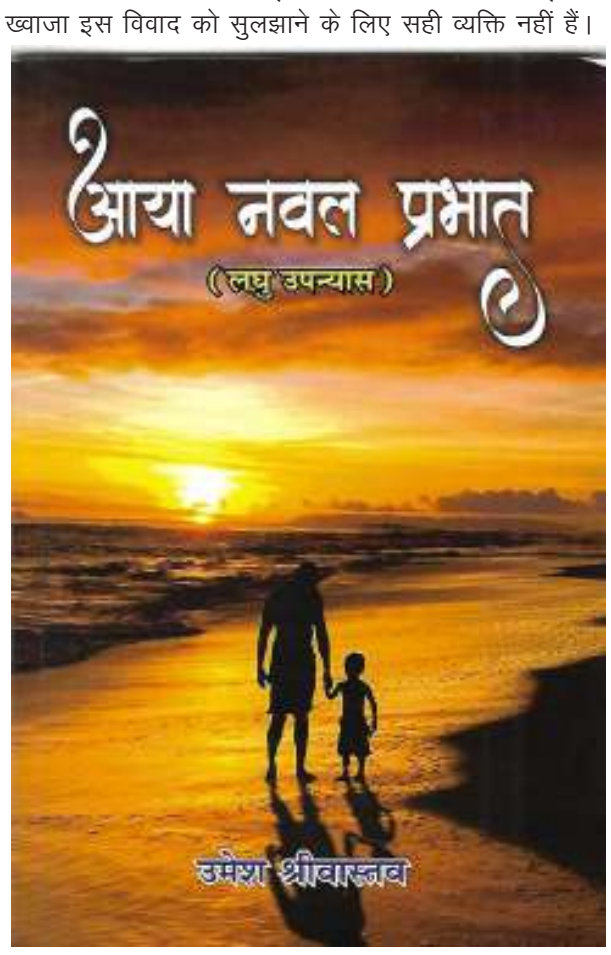

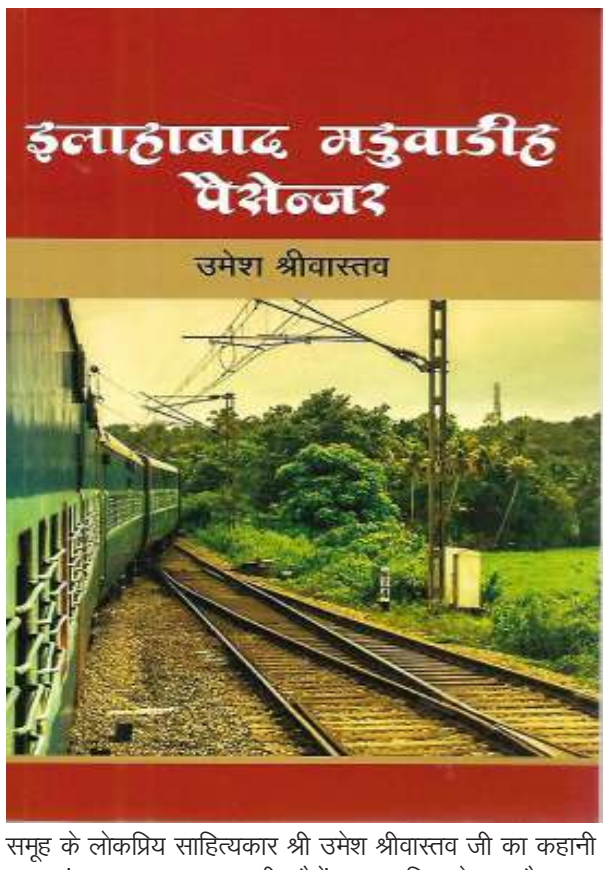

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

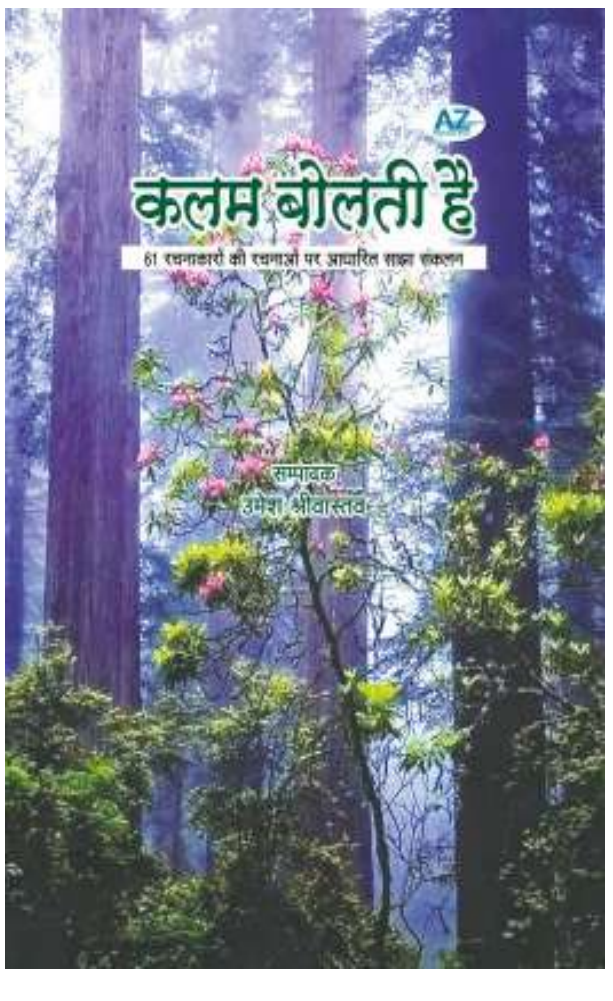

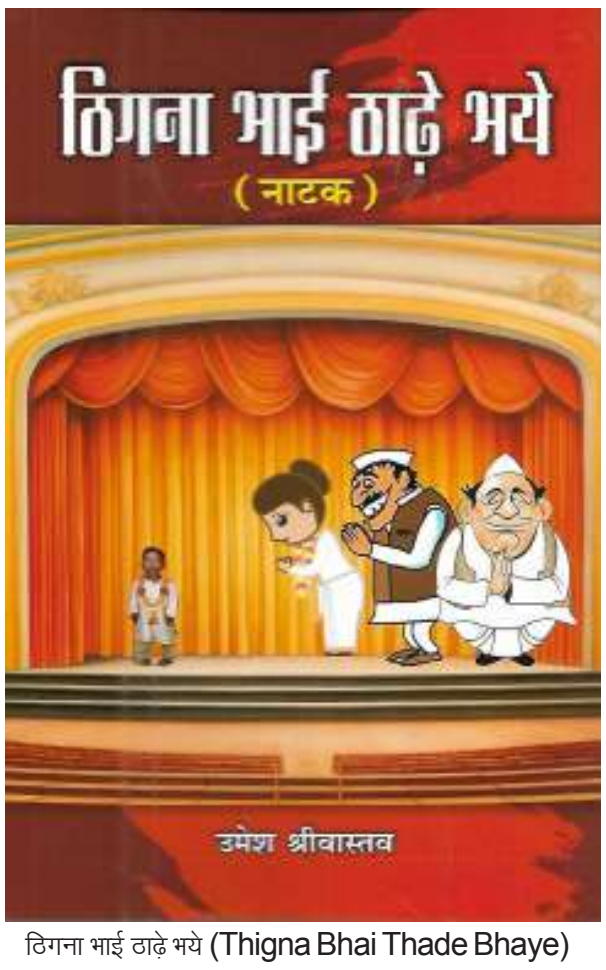

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

डिएगो गार्सिया में सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे ट्रंप, कहा- बेस की सुरक्षा हमारा अधिकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिएगो गार्सिया में अमेरिकी सेना की मौजूदगी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ किया है कि वे इस मिलिट्री बेस की सुरक्षा को कभी खतरे में नहीं पड़ने देंगे। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर भविष्य में कोई समझौता टूटता है या अमेरिकी सेना पर खतरा आता है, तो उनके पास बेस को सैन्य तरीके से सुरक्षित और मजबूत करने का पूरा अधिकार है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रुथ सोशलश पर बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से बात की है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर के बीच में स्थित यह बेस अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। ट्रंप के अनुसार, पिछले एक साल में अमेरिकी सेना के कई ऑपरेशन इन बेस की रणनीतिक स्थिति की वजह से ही सफल रहे हैं। ब्रिटेन और मॉरीशस के बीच हुए लीज समझौते पर ट्रंप ने कहा कि वे ब्रिटिश प्रधानमंत्री की स्थिति को समझते हैं। उनके मुताबिक, स्टार्मर ने जो डील की है, वह उस समय की सबसे अच्छी डील हो सकती थी। लेकिन उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर भविष्य में यह डील टूटती है या बेस पर कोई खतरा आता है, तो वे सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेंगे। ट्रंप ने वहां अमेरिकी मौजूदगी पर उठने वाले सवालों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने लिखा, श्यह जान लें कि मैं इतने महत्वपूर्ण बेस पर हमारी मौजूदगी को कभी भी झूठे दावों या पर्यावरण के नाम पर होने वाली बातों से कमजोर नहीं पड़ने दूंगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने भी इस संदेश को दोहराया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने स्टार्मर से सीधे बात की थी और वे उनकी स्थिति का समर्थन करते हैं। लेविट ने जोर देकर कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका दुनिया में कहीं भी, जिसमें डिएगो गार्सिया भी शामिल है, अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाएगा। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका अपनी संपत्ति की रक्षा करने का अधिकार रखता है। डिएगो गार्सिया अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण विदेशी सैन्य ठिकानों में से एक है। यह मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिण एशिया में अमेरिकी सैन्य शक्ति के लिए एक मुख्य केंद्र के रूप में काम करता है। यह द्वीप लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय कानूनी और राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र भी रहा है। फिलहाल लेविट ने लीज समझौते या भविष्य के फैसलों के लिए किसी समय सीमा की जानकारी नहीं दी है।

संक्षिप्त

ट्रंप प्रशासन जांच कर रहा, 2016 के चुनाव में रूसी 'हस्तक्षेप' के दावों पर व्हाइट हाउस का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हुए 2016 राष्ट्रपति चुनाव में कथित रूसी हस्तक्षेप से जुड़े दावों की ट्रंप सरकार जांच कर रही है। इसकी जानकारी गुरुवार (5 फरवरी) को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने अपने बयान में कहा कि ट्रंप प्रशासन इसकी जांच रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा, श्इस कमरे में मौजूद लोग, यह देखते हुए कि आप सभी ने कई साल से कहा है कि रूस ने डोनाल्ड ट्रंप की मदद करने के लिए 2016 के चुनाव में दखल दिया था, आप सभी को बहुत खुश होना चाहिए कि आखिरकार हमारे पास एक ऐसा प्रशासन है, जो इसकी जांच कर रहा है।ष सीएनएन के अनुसार राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड ने दावा किया कि रूस के हस्तक्षेप को लेकर खुफिया आकलन श्गढ़ी हुईश सूचनाओं पर आधारित थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने एक मेमो (खुफिया दस्तावेज) का हवाला दिया था, जिसमें उन दावों का खंडन किया गया था कि सीआईए ने यह निष्कर्ष निकाला था कि रूस ने डोनाल्ड ट्रंप को हिलेरी क्लिंटन को हराने में मदद करने के लिए चुनाव में हस्तक्षेप किया था। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, जिस खुफिया दस्तावेज का हवाला गबार्ड ने दिया, उसमें केवल यह कहा गया था कि रूस ने चुनावी ढांचे पर साइबर हमलों के जरिए वोटों के नतीजों में बदलाव नहीं किया। ओबामा प्रशासन ने कभी यह दावा नहीं किया था कि रूस ने वोट गिनती या मतदान मशीनों से छेड़छाड़ की थी। सीएनएन के लेख में यह भी उल्लेख किया गया था कि गैबर्ड के दावे कई कांग्रेसी जांचों के निष्कर्षों से मेल नहीं खाते थे, जिनमें तत्कालीन सीनेटर मार्को रुबियो के नेतृत्व वाली सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी की 2020 की द्विदलीय रिपोर्ट भी शामिल थी। उस रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया था कि रूस ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के लिए श्आक्रामक और बहुआयामी प्रयासश किए थे और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हिलेरी क्लिंटन के अभियान को नुकसान पहुंचाने और डोनाल्ड ट्रंप को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कार्रवाई के आदेश दिए थे। सीएनएन के अनुसार 2018 में मार्को रुबियो ने ट्रंप की कड़ी आलोचना की थी, जब उन्होंने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के बजाय पुतिन के बयान पर भरोसा किया था। रुबियो ने कहा था कि रूस के हस्तक्षेप को लेकर खुफिया समुदाय का आकलन 100 प्रतिशत सही था।

अब अंतिम चरण में ऐतिहासिक भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, मार्को रुबियो के साथ बैठक के बाद जयशंकर का बयान

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि श्ऐतिहासिकश भारत–अमेरिका व्यापार समझौता अब अंतिम चरण में है। इसकी पूरी जानकारी बहुत जल्द तय हो जाएगी। यह बात उन्होंने गुरुवार को अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो के साथ व्यापक

बातचीत के बाद कही। वॉशिंगटन डीसी में जयशंकर और रुबियो के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब तीन दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई। इस बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा था कि व्यापार समझौते के तहत भारतीय सामानों पर अमेरिका का टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया जाएगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि यह व्यापार समझौता भारत–अमेरिका संबंधों में एक नए चरण की शुरुआत होगी। अमेरिका की ओर से टैरिफ कम किए जाने की पुष्टि और रूस से ऊर्जा खरीद को लेकर भारत पर लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ हटाने के संकेत के अलावा, इस व्यापार समझौते के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट और ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी अमेरिका यात्रा श्उपयोगीश और श्सकारात्मकश रही। डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाया था, जिसके बाद दोनों देशों के संबंधों में काफी तनाव देखने को मिला था। इसमें रूस से तेल खरीदने को लेकर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ भी शामिल था। टैरिफ के मुद्दे के अलावा, कई अन्य मामलों पर भी संबंधों में गिरावट देखी गई थी। इनमें ट्रंप का यह दावा शामिल था कि उन्होंने पिछले साल मई में भारत–पाकिस्तान संघर्ष को खत्म कराया। अमेरिका की नई आव्रजन नीति भी एक कारण रही। पीएम मोदी से फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने दावा किया था कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और अमेरिका व वेनेजुएला से ज्यादा तेल खरीदेगा।

जमात-ए-इस्लामी के बदले तेवर, चुनावी घोषणापत्र में भारत से अच्छे रिश्तों का वादा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में इसी महीने 12 फरवरी को चुनाव हैं। ऐसे में देश के अंदर प्रमुख राजनीतिक दल जमात–ए इस्लामी एक अहम ताकत के रूप में उभरती नजर आ रही है। भारत विरोधी गुट के रूप में पहचान जाने वाले जमात ने अपना बुधवार (04 फरवरी) को घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें उन्होंने भारत के साथ अच्छे रिश्तों पर जोर दिया। बांग्लादेश की प्रमुख इस्लामी पार्टी जमात–ए–इस्लामी ने चुनावों से पहले 41 सूत्रीय घोषणापत्र जारी किया, जिसमें न्याय और आर्थिक क्षेत्रों में सुधारों के साथ–साथ मंत्रिमंडल में महिलाओं को शामिल करने का वादा किया गया है। जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान ने घोषणापत्र जारी किया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ट्रंप ने पूरा किया चुनावी वादा, लॉन्च की सस्ती दवाओं के लिए वेबसाइटय बोले- स्वस्थ रहेंगे अमेरिकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रंपआरएक्सडॉटजीओवी (ज्तनउचत॰.ळवअ) नाम की एक नई सरकारी वेबसाइट लॉन्च की, जो आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली दर्जनों प्रिस्क्रिप्शन (डॉक्टर की ओर से लिखी) दवाओं पर भारी छूट मुहैया कराती है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे कदम को अमेरिकी इतिहास में दवाओं की कीमतों में सबसे बड़ी कमी करार दिया है। व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा, श्लोग बहुत सारा धन बचाएंगे और स्वस्थ रहेंगेश। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के कुछ सबसे बड़े दवा उत्पादक देशों ने अमेरिकी टैरिफ से बचने के बदले में श्मोस्ट फेवर्ड नेशनश समझौतों के तहत कीमतें कम करने पर सहमति जताई है। अमेरिकी ट्रंप के मुताबिक इससे अमेरिकी लोगों को काफी फायदा पहुंचेगा। उन्होंने इसे श्बहुत बड़ी डीलश करार दिया। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने दावा किया उपभोक्ता इस साइट का इस्तेमाल करके फार्मेसियों में रिडीम किए जा सकने वाले कूपन के जरिए प्रिस्क्रिप्शन दवा पर डिस्काउंट वाली कीमतों का फायदा उठा सकते हैं। दरअसल, यह योजना ट्रंप के चुनावी वादों और श्अमेरिका फर्स्टश स्वास्थ्य नीति से जुड़ा है। ट्रंप का कहना है कि दूसरे अमीर देश अमेरिका में बनी दवाइयां कम कीमत पर खरीदते हैं, जबकि अमेरिकियों को इसके लिए तिगुना ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। यह कार्यक्रम सुनिश्चित करेगा कि दवा कंपनियां उसी दाम पर दवा बेचें, जो बाकी देशों में मिल रही है। बता दें कि लंबे समय से दुनिया भर के समान उत्पादों की तुलना में अमेरिका में दवा की कीमतें आसमान छू रही है। व्हाइट हाउस ने बताया कि वेबसाइट 40 से अधिक लोकप्रिय दवाओं पर छूट के साथ लॉन्च की गई। जहां उपयोगकर्ता साइट पर अपनी मनचाही दवा खोज सकते हैं, फिर एक कूपन प्रिंट कर सकते हैं और उसे किसी फार्मेसी में प्रस्तुत करके रियायती मूल्य पर दवा खरीद सकते हैं। ट्रंप ने वेबसाइट लॉन्च करते हुए उन्होंने तर्क दिया कि अमेरिकी लंबे समय से दूसरे देशों के मरीजों की तुलना में दवाओं के लिए ज्यादा कीमत दे रहे हैं। ट्रंप ने कहा, श्अमेरिकी असल में पूरी दुनिया के लिए दवाओं की लागत पर सब्सिडी दे रहे थे, और अब ऐसा नहीं होगा।श राष्ट्रपति के अनुसार, दुनिया की 17 सबसे बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनियों में से 16 ने प्राइसिंग फ्रेमवर्क के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, और बाकी कंपनी के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि समझौतों के तहत अमेरिका में पेश की जाने वाली नई दवाओं को भी उसी सबसे कम ग्लोबल कीमत पर देना होगा। वहीं ट्रंप ने प्राइसिंग समझौतों को टैरिफ के इस्तेमाल से जोड़ा और कहा कि उन्होंने दूसरे देशों को चेतावनी दी थी कि अगर वे यूनाइटेड स्टेट्स के लिए कीमतें कम करने पर सहमत नहीं हुए तो विदेशों में दवाओं की कीमतें बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, श्ऐसा करने से दूसरे देशों में दवाओं की कीमतें बढ़ जाएंगी। उन्हें सहमत होना पड़ा, और उनके सहमत होने का कारण मेरी टैरिफ नीति रही । इसी के साथ अनमेरिका के चीफ डिजाइन ऑफिसर जो गेब्बिया ने इस साइट की बारीकियां समझाईं। उन्होंने कहा कि यह साइट 40 से अधिक दवाओं के साथ लॉन्च हुई है, और इसमें नियमित तौर पर दवाएं जोड़ी जाती रहेंगी। यह साइट दवा और मैन्युफैक्चरर के आधार पर प्रिंटेबल या डिजिटल कूपन के जरिए एक्सेस देती है।

हड़बड़ी में मुहम्मद यूनुस: चुनाव से तीन दिन पहले अमेरिका संग बांग्लादेश की बड़ी डील, शर्तें पूरी तरह गोपनीय

ढाका, एजेंसी। भारत–अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर मुहर लग चुकी है। भारतीय वस्तुओं पर लगा टैरिफ भी घटकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इस बीच भारत पर कम टैरिफ और ट्रेड डील से पड़ोसी देश बांग्लादेश टेंशन में आ चुका है। इसलिए कथित तौर पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चुनाव से ठीक तीन दिन पहले अमेरिका संग ट्रेड डील पर हस्ताक्षर करने जा रही है। देश के वाणिज्य सचिव महबूबुर रहमान ने हस्ताक्षर की तारीख की पुष्टि की है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने जा रहे हैं। जो कि शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद पहली बार है। इस बीच देश का ध्यान अब अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर केंद्रित हो गया है। भारत के साथ बनी अमेरिकी की सहमति के बाद बांग्लादेश ने भी समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तेजी से प्रयास किए हैं। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था वस्त्र निर्यात उद्योग (आरएमजी) के निर्यात पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जो उसके अमेरिकी निर्यात का करीब 90 फीसदी है। दरअसल, बांग्लादेश को डर है कि अगर वह समान रूप से या फिर कायदे की शर्तें नहीं भुना पाया तो वह प्रतिस्पर्धा में भारत से अपना बाजार हिस्सा खो सकता है। बांग्लादेश वर्तमान में अमेरिका से 20 फीसदी टैरिफ का सामना कर रहा है, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अप्रैल 2025 में घोषित किए गए 37 फीसदी के भारी शुल्क से कम कर दिया गया। अगस्त में राष्ट्रपति ने अगली पारस्परिक शुल्क घोषणा के तहत नए शुल्कों को संशोधित किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार टैरिफ को और कम करके 15 फीसदी करने की कोशिश कर रही है। हालांकि इस समझौते की शर्तों को लेकर अस्पष्टता ने बांग्लादेश के व्यापारियों को चिंतित कर दिया है। देश के घरेलू बाजार के व्यापारियों का भी यही मानना है कि यह समझौता चुनावों के बाद हस्ताक्षरित किया जा सकता था, जिससे इसके नियमों और विभिन्न क्षेत्रों पर इसके प्रभावों के बारे में अधिक स्पष्टता होती।

टैरिफ वार्ता और व्यापार समझौते के विवरण को गोपनीय रखने के लिए राष्ट्रीय एवं आवासीय समझौते (एनडीए) पर कथित तौर पर जून 2025 में हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते के कुछ महीनों बाद ही अमेरिका ने बांग्लादेश पर आयात शुल्क घटाकर 20 फीसदी कर दिया था। बांग्लादेश और अमेरिका के बीच आयात–निर्यात में भारी असमानता है। प्रोथोम आलो (बंगाली दैनिक समाचार पत्र) के अनुसार, ढाका अमेरिका से लगभग 2 अरब डॉलर का सामान आयात करता है, जबकि बदले में वह 6 अरब डॉलर का सामान निर्यात करता है। खबरों के मुताबिक अमेरिका बांग्लादेश को निर्यात बढ़ाकर इस अंतर को पाटना चाहता है। अखबार में आगे कहा गया है कि गेहूं, सोयाबीन तेल, मक्का और कपास जैसे उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के अलावा, वाशिंगटन चाहता है कि बांग्लादेश अमेरिका से अधिक सैन्य उपकरण खरीदे और चीन पर अपनी निर्भरता कम करे। इसी के साथ अमेरिका बांग्लादेशी बाजार में बिना किसी अतिरिक्त निरीक्षण के अपनी कारों की आसान पहुंच भी चाहता है।

पश्चिम एशिया पर मंडरा रहे जंग के बादल?: अमेरिका-ईरान की ओमान में वार्ता आज, नाकाम हुई तो जल उठेंगे ये देश

मस्कट, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच पूरी दुनिया की नजर ओमान में अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को होने वाली वार्ता पर है। कारण है कि ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शन और इसके चलते अमेरिका की तरह से लगातार हमले की धमकी के बीच अब अचानक दोनों देशों के पास बातचीत का मौका सामने आया है। इसके बाद ईरान ने शर्तों के साथ वार्ता की हामी भरी है, ताकि अमेरिकी हमलों का खतरा टाला जा सके। यह कदम ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच कई हफ्तों से तनावपूर्ण बयानबाजी चल रही थी। इतना ही नहीं दोनों देशों के बीच न्यूक्लियर कार्यक्रम, मिसाइलों और क्षेत्रीय दबावों को लेकर भी मतभेद हैं, जबकि पश्चिम एशिया में सैन्य हलचल और अंतरराष्ट्रीय दबाव स्थिति को और जटिल बना रहे हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार–बार चेतावनी दी है कि अगर ईरान अपने न्यूक्लियर (परमाणु) कार्यक्रम पर समझौता नहीं करता, तो बुरी घटनाएं हो सकती हैं। इस संदेश को और जोर देने के लिए अमेरिकी ने पश्चिम एशिया में अपने विमान वाहक और अन्य सैन्य ताकतेंभी भेजी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बातचीत शुक्रवार को ओमान में होनी है। इससे पहले ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने विदेश मंत्री अब्बास अराघची को निर्देश दिया है कि वे अमेरिका के साथ बातचीत करें लेकिन केवल एक ऐसा सुरक्षित माहौल होने पर जिसमें धमकियां या अवास्तविक अपेक्षाएं न हों। पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मैंने अपने विदेश मंत्री को निर्देश दिया है कि उचित और सम्मानजनक माहौल होने पर निष्पक्ष और संतुलित बातचीत करें, जो गरिमा, समझदारी और व्यावहारिकता के सिद्धांतों पर आधारित हो। वार्ता नाकाम हुई तो क्या होगा? ऐसे में गौर करने वाली बात यह है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में होने वाली वार्ता नाकाम होती है, तो पश्चिम एशिया के कई देशों पर संकट गहराने का खतरा है। ईरान सीधे संघर्ष का सामना कर सकता है और उसके ऊपर आर्थिक तथा सैन्य दबाव बढ़ सकता है। सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देश ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव और प्रॉक्सी समूहों की गतिविधियों से असुरक्षित महसूस करेंगे। इस्राइल के लिए सुरक्षा खतरे बढ़ेंगे, क्योंकि ईरानी मिसाइल और सैन्य क्षमता सीधे उसके लिए चुनौती बन सकती है। इसके साथ ही इराक और सीरिया में अमेरिका–ईरान टकराव का असर उनके आंतरिक स्थायित्व पर पड़ेगा। यमन और लेबनान में ईरान समर्थित समूह अस्थिरता फैलाने की संभावना बढ़ा सकते हैं। कुल मिलाकर, वार्ता नाकाम होने से सैन्य टकराव, तनाव और क्षेत्रीय असुरक्षा बढ़ने का खतरा रहेगा। हालांकि अभी भी दोनों पक्षों के बीच बड़ी बहस यह है कि बातचीत में किन मुद्दों को शामिल किया जाए। एक तरफ ईरान चाहता है कि बातचीत केवल उसके न्यूक्लियर कार्यक्रम तक सीमित रहे। दूसरी ओर अमेरिका चाहता है कि इसमें ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्र में प्रॉक्सी फोर्सेज (अनुयायी लड़ाकू समूहों) का समर्थन भी शामिल हो। वैसे ईरान बार–बार कह चुका है कि अपनी सुरक्षा क्षमताओं पर कोई सीमा लगाना उसकी रेड लाइन है, यानी इसे वह किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेगा। ईरानी सेना प्रमुख अब्दोलरहीम मूसवी ने कहा कि देश ने अपने बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम को अपग्रेड करके अपनी ताकत बढ़ा ली है। उन्होंने कहा कि अब ईरान किसी भी खतरे का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है और उनकी नई सैन्य नीति रक्षा से बढ़कर हमलावर और असममित युद्ध की रणनीति पर आधारित है। मूसवी ने चेतावनी दी कि किसी भी दुश्मन की हरकत का क्रशिंग जवाब दिया जाएगा। इन सभी चिंजों के बीच ध्यान देने वाली बात यह भी है ।

चीन में शीर्ष जनरल पर जांच के बाद एक्शन, हटाए गए तीन सांसदय जानें किस-किस पर गिरी गाज?

बीजिंग, एजेंसी। चीन के सरकारी मीडिया ने बताया कि रक्षा क्षेत्र से जुड़े तीन चीनी सांसदों को उनके पदों से हटा दिया गया है। यह कार्रवाई देश के शीर्ष जनरल की जांच के मद्देनजर ऐसे समय पर की गई है जब बीजिंग अपनी सेना का आधुनिकीकरण करने की कोशिश कर रहा है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी द्वारा जारी घोषणा में बर्खास्तगी का कारण नहीं बताया गया और न ही यह कहा गया कि रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु उद्योगों से जुड़े ये सांसद जांच के दायरे में थे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के वर्षों से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत, रक्षा मंत्रालय ने 24 जनवरी को कहा कि वह जनरल झांग यूक्सिया के खिलाफ अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के संदेह में जांच कर रहा है। यूक्सिया चीनी सैन्य नेतृत्व में शी के बाद दूसरे स्थान पर रहे हैं। बता दें कि झांग को राष्ट्रपति का प्रमुख सहयोगी माना जाता है और उनकी भी जांच की जा रही है। बर्खास्त किए गए सांसदों में चीन के अधिकांश सैन्य विमानों और ड्रोन का उत्पादन करने वाले सरकारी स्वामित्व वाले समूह एविएशन इंडस्ट्री कॉर्प ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख झोउ शिनमिन, मुख्य अभियंता लूओ क्यूई और एटमी हथियार शोधकर्ता लियू कैंगली शामिल हैं। इन बर्खास्तगियों की घोषणा चीन की विधायिका (नेशनल पीपुल्स कांग्रेस) की वार्षिक बैठक से ठीक एक महीने पहले की गई, जो सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के पांच वर्षीय योजना चक्र की शुरुआत का प्रतीक है। शी चाहते हैं कि अमेरिका के बाद दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश चीन, 2035 तक पूर्ण सैन्य आधुनिकीकरण हासिल कर ले। हालांकि अमेरिकी पेंटागन ने कहा है कि सेना में भ्रष्टाचार इस लक्ष्य की दिशा में प्रगति में बाधा बन सकता है।

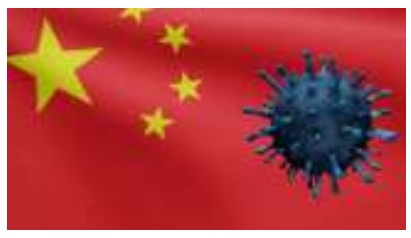

अंतरिम शासन में भारत से संबंधों को लगा झटका, चुनाव के बाद सुधार की उम्मीद, विदेश सलाहकार का बयान

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने बृहस्पतिवार को स्वीकार किया कि भारत के साथ संबंधों में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले अंतरिम शासन के दौरान झटका लगा। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी आम चुनाव के बाद चुनी हुई सरकार के कार्यभार संभालने पर दोनों देशों के रिश्ते फिर पटरी पर आ सकते हैं। मीडिया से बातचीत में विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने कहा कि अंतरिम सरकार के दौरान संबंधों में कुछ ठहराव जरूर आया, लेकिन भारत के साथ रिश्ते बांग्लादेश के लिए हमेशा अहम बने रहे। बांग्लादेश में आम चुनाव से एक हफ्ते पहले उन्होंने यह टिप्पणी की है। ये चुनाव अगस्त 2024 में हुए जनआंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद पहली बार हो रहे हैं। भारत में बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त के रूप में काम कर चुके हुसैन ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि अगली निर्वाचित सरकार भारत के साथ रिश्तों को ज्यादा सहज बनाने के रास्ते तलाश सकेगी। बांग्लादेश के एक विशेष न्यायाधिकरण ने पिछले साल हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में मौत की सजा सुनाई थी और ढाका ने उनके प्रत्यर्पण की मांग भी की है। भारत की ओर से प्रत्यर्पण न होने की स्थिति पर सवाल पूछे जाने पर हुसैन ने कहा कि निराशावादी होने की जरूरत नहीं है। हुसैन ने माना कि पिछले 18 महीनों में भारत–बांग्लादेश संबंध अपने निचले स्तर पर पहुंचे, खासकर उस समय जब बांग्लादेश के पाकिस्तान के साथ राजनीतिक, व्यापारिक और रक्षा सहयोग बढ़ा।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।